मुश्किलों से कह दो
उलझा ना करे हमसे,
हमे हर हाल में जीने का
हुनर आता है
सुप्रभात..

देश का प्रमुख दैनिक समाचार-पत्र

जन जन जागरण

जनहित का सजग प्रहरी

Web Site: www.janjanjagran.com | झांसी और भोपाल से एक साथ प्रकाशित | झांसी, शनिवार 14 जून 2025 | वर्ष-13 अंक-301 पृष्ठ-08 मूल्य 3 रुपए

ब्रीफ न्यूज़

विमान की थाईलैंड में इमरजेंसी लैंडिंग

बैंकॉक। थाईलैंड के फुकेट इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर एअर इंडिया की फ्लाइट एआई-379 की इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। यहां प्लेन में बम होने की सूचना मिली थी। विमान में 156 लोग सवार थे। फ्लाइट फुकेट से दिल्ली आ रही थी। एअर इंडिया की फ्लाइट ने फुकेट एयरपोर्ट से भारतीय समयानुसार सुबह 9.30 बजे टेकऑफ किया था। विमान अंडमान सागर के ऊपर एक बड़ा चक्कर लगाते हुए पलटा और करीब 20 मिनट बाद फुकेट में सुरक्षित इमरजेंसी लैंडिंग की। सभी यात्री और क्रू सेफ हैं, किसी को भी कोई नुकसान नहीं हुआ है। नेशन थाईलैंड ने बताया कि बम की धमकी मिलते ही फुकेट एयरपोर्ट ने एयरपोर्ट कंटिन्जेंसी प्लान एक्टिवेट कर दिया। एयरपोर्ट अफसरों ने कहा कि धमकी को लेकर सभी जरूरी कदम उठाए गए हैं। ज्यादा जानकारी मिलने पर अपडेट दिया जाएगा।

हाईवोल्टेज लाइन से 3 की मौत

नरसिंहपुर। जिले के गाडरवाड़ा में हाईवोल्टेज करंट की चपेट में आने से तीन मजदूरों की मौत हो गई, जबकि तीन झुलस गए। शवों से धुआं निकल रहा था। हादसा शुक्रवार सुबह करीब 11 बजे श्री पैलेस गार्डन के बाहर हुआ। गाडरवाड़ा थाना प्रभारी विक्रम रजक के मुताबिक, मैरिज गार्डन के गेट पर वहीं के कर्मचारी बड़ी सीढ़ी को धक्का देकर मेन रोड की तरफ ला रहे थे, तभी गेट के ऊपर से निकली हाईटेंशन लाइन से सीढ़ी टकरा गई। इसमें छह लोग झुलसे हैं। तीन की ऑन द स्पॉट मौत हो गई। बाकी तीन गंभीर रूप से घायल हैं। एक को नरसिंहपुर रेफर किया गया है। दो मृतक गाडरवाड़ा और एक इंदौर का रहने वाला था। श्री पैलेस मैरिज गार्डन प्रकाश काबरा का है, जो गाडरवाड़ा के बड़े व्यापारी और सामाजिक कार्यकर्ता हैं। घटना को लेकर स्थानीय लोगों में आक्रोश है और बिजली विभाग की लापरवाही को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं।

एनआईए ने तेज की ग्रेनेड हमले की जांच

चंडीगढ़। नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी ने अमृतसर पुलिस स्टेशन पर हुए ग्रेनेड हमले की जांच तेज कर दी है। एजेंसी ने पंजाब और हरियाणा में बब्बर खालसा इंटरनेशनल आतंकी संगठन से जुड़े लोगों के 15 ठिकानों पर छापे मारे हैं। छापे के दौरान टीम ने उनके घरों से मोबाइल, डिजिटल उपकरण और दस्तावेज जैसे संदिग्ध सामान जब्त किए हैं। साथ ही एनआईए की टीम अधिक जानकारी जुटाने और बीकेआई गिरोह की असली साजिश का पर्दाफाश करने की जांच भी कर रही है। जनवरी 2025 में पंजाब के अमृतसर जिले की गुमटाला पुलिस चौकी पर ग्रेनेड हमला हुआ था। इसका आरोप बैन किए गए बब्बर खालसा इंटरनेशनल ने लिया था, और हमले की जिम्मेदारी उनके सदस्य हैप्पी पासियां ने स्वीकार किया था।

सना मकबूल को हुआ लिवर सिरोसिस

मुंबई। कुछ दिन पहले बिग बॉस ओटीटी विनर टीवी एक्ट्रेस सना मकबूल की एक तस्वीर सामने आई थी, जिसमें वो हॉस्पिटल में एडमिट नजर आ रही थीं। अब एक इंटरव्यू में एक्ट्रेस ने बताया कि वो लिवर सिरोसिस जैसी गंभीर बीमारी से जूझ रही हैं।सना ने कहा है कि मैं कुछ समय से ऑटोइम्यून हेपेटाइटिस से पीड़ित हूं, लेकिन हाल ही में हालात और खराब हो गए हैं। मेरी इम्यून सिस्टम ने मेरे लिवर पर अधिक आक्रामक तरीके से हमला करना शुरू कर दिया है, और अब मुझे लिवर सिरोसिस होने का पता चला है। लेकिन मैं मजबूत रहने की कोशिश कर रही हूं।

भाजपा विधायक को 2 साल की सजा

चंडीगढ़। पंजाब की मोहाली अदालत ने चेक बाउंस के मामले में पापुम पारे जिले के सागली विधानसभा क्षेत्र से भाजपा विधायक रायतु तेजी, उनकी पत्नी और दो अन्य सहयोगियों को दो साल की सजा सुनाई है। साथ ही, साढ़े 5 करोड़ रुपए का मुआवजा एक महीने के भीतर अदा करने का आदेश दिया है। यह मामला करीब साढ़े 4 साल तक कोर्ट में चला। वकील ने इसे अपनी बहुत बड़ी जीत बताया है। यह मामला जीटीसी एम ट्रेडज एलएलपी से खरीदी गई निर्माण सामाग्री के लिए जारी किए गए 50 लाख रुपए के चेक बाउंस से जुड़ा है।

विमान हादसे में मरने वालों की संख्या हुई 297, पीएम मोदी अस्पताल पहुंचकर घायलों से मिले

अहमदाबाद। बीते रोज अहमदाबाद में हुए विमान हादसे ने पूरी दुनिया स्तब्ध कर दिया है। हादसे में मरने वालों की संख्या अब 297 हो गई है। जबकि कई लोग घायल है जिनका इलाज सिविल अस्पताल में चल रहा है। शुक्रवार की सुबह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अस्पताल पहुंचे उन्होंने घायलों से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना। इस मौके पर गुजरात के सीएम भूपेंद्र पटेल, केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू किंजरापु, केंद्रीय राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल और राज्य के गृह मंत्री हर्ष संघवी भी मौजूद रहे। दुर्घटनास्थल का दौरा करने के बाद, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार को हुए एयर इंडिया विमान हादसे में घायल हुए लोगों से मिलने अहमदाबाद सिविल अस्पताल पहुंचे।

गुरुवार को पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया। उन्होंने पोस्ट में लिखा, अहमदाबाद में हुई त्रासदी ने हमें स्तब्ध और दुखी कर दिया है। यह शब्दों से परे दिल दहला देने वाली घटना है। इस दुखद घड़ी में, मेरी संवेदनाएं इससे प्रभावित सभी लोगों के साथ हैं। मैं मंत्रियों और अधिकारियों के संपर्क में हूं जो प्रभावित लोगों की सहायता के लिए काम कर रहे हैं। घटना स्थल पर मौजूद एक एनडीआरएफ जवान ने बताया, अभी स्थिति सामान्य है। जो लोग बाहर मलबा गिरने के बाद जल गए थे, उन्हें निकाल लिया गया है। अब बाकी की तलाशी इमारत के अंदर की जाएगी। बाहर कोई नहीं बचा है। बाहर तलाशी

अभियान कल से ही चल रहा था और सभी को वहां से निकाल लिया गया है।

अहमदाबाद एयर इंडिया विमान में मृतकों की संख्या 297 हो गयीअहमदाबाद विमान दुर्घटना में मृतकों की संख्या 297 हो गई है। विमान में सवार 242 लोगों में से 241 की मौत की पुष्टि हो चुकी है, जबकि केवल एक यात्री ही इस दुर्घटना में जीवित बचा है। मृतकों में 229 यात्री और 12 चालक दल के सदस्य थे। इसके अलावा, विमान एक मेडिकल कॉलेज के छात्रावास में दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिससे उस समय वहां मौजूद 56 लोगों की मौत हो गई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अहमदाबाद पहुंच गए हैं और दुर्घटनास्थल का दौरा कर रहे हैं।

लंदन जाने वाला एयर इंडिया का विमान गुरुवार को अहमदाबाद हवाई अड्डे से उड़ान भरने के कुछ ही मिनटों बाद दोपहर 1.38 बजे दुर्घटनाग्रस्त हो गया। विमान में सवार 241 लोगों की मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति चमत्कारिक रूप से बच गया। कल गृह मंत्री अमित शाह ने स्थिति का आकलन करने के लिए घटनास्थल का दौरा किया। इस बीच, दुर्घटना की जांच में तेजी आ गई है। सरकार ने घटना की जांच के लिए एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया है।

अहमदाबाद सिविल अस्पताल में अपनों को तलाश रहे लोग

अहमदाबाद। अहमदाबाद में गुरुवार दोपहर एअर इंडिया का बोइंग 787 ड्रीमलाइनर प्लेन क्रैश हो गया। इसमें 12 क्रू मेंबर समेत 242 लोग सवार थे। हादसे में केवल एक यात्री के जिंदा बचा है। मारे गए 241 लोगों में 169 भारतीय, 52 ब्रिटिश, 7 पुर्तगाली और एक कनाडाई नागरिक था।

विमान जिस बीजे मेडिकल कॉलेज हॉस्टल पर गिरा, वहां 50 से ज्यादा लोग मौजूद थे। हालांकि, अभी यह क्लियर नहीं हुआ है कि हॉस्टल में कितनी मौतें हुई हैं। 4 एमबीबीएस छात्र और एक डॉक्टर की पत्नी के मारे जाने की खबर है। सिविल अस्पताल में एक के बाद एक शवों से भरी एंबुलेंस सिविल अस्पताल के पोस्टमार्टम रूम में भेजी जा रही है।

सीएम योगी की नई पहल: अब पारिवारिक लाभ योजना की राशि घर बैठे, 75 दिन में तय भुगतान

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश के गरीब एवं असहाय परिवारों को राहत पहुंचाने वाली राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना को अब और अधिक पारदर्शी, तेज और जनता के अनुकूल बना दिया गया है। अब पात्र परिवारों को योजना के तहत मिलने वाली आर्थिक सहायता के लिए महीनों चक्कर काटने की जरूरत नहीं पड़ेगी। आवेदन से लेकर भुगतान तक की पूरी प्रक्रिया इंटरनेट आधारित कर दी गई है और हर कदम पर जवाबदेही तय की गई है।

इस नई व्यवस्था के तहत पात्र आवेदकों को अब आवेदन की तारीख से 75 दिनों के भीतर सहायता राशि उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया गया है। यदि किसी कारणवश यह समय सीमा पार होती है, तो अब मामले को लंबी प्रक्रिया में उलझाने की बजाय जिला स्तर पर ही समिति से अनुमोदन लेकर तुरंत भुगतान किया जाएगा। अब जरूरतमंदों को देरी के लिए प्रदेश स्तर की मंजूरी का इंतजार नहीं करना होगा। यह बदलाव उन परिवारों के लिए राहत लेकर आया है, जो समय पर सहायता की प्रतीक्षा में थे।

योजना को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए जिला समाज कल्याण अधिकारियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी गई है। वे यह सुनिश्चित करेंगे कि किसी भी आवेदक को पहले सहायता नहीं मिली हो। सत्यापन के बाद पात्र लाभार्थियों की अंतिम सूची तैयार कर 7 दिनों के भीतर स्वीकृति समिति के समक्ष प्रस्तुत की जाएगी।

इसके बाद सूची को डिजिटल सिग्नेचर के साथ पोर्टल पर अपलोड किया जाएगा

और सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन प्रणाली (पीएफएमएस) के जरिए आधार लिंक बैंक खाते में धनराशि हस्तांतरित होगी। बजट की कमी होने पर भी जिलाधिकारी ट्रेजरी नियमों के तहत धनराशि निकालकर भुगतान सुनिश्चित कर सकते हैं, जिससे लाभार्थियों को लाभ मिलने में देरी न हो।

आकस्मिक परिस्थितियों में तत्काल सहायता के लिए भी विशेष प्रावधान किए गए हैं। जिला समाज कल्याण अधिकारी और जिलाधिकारी डिजिटल सिग्नेचर के जरिए आवेदन सत्यापित करेंगे और स्वीकृति के बाद तुरंत भुगतान होगा। योजना से जुड़ी किसी भी समस्या के समाधान के लिए मुख्यालय स्तर पर कमांड सेंटर में हेल्पलाइन नंबर 14,568 शुरू किया गया है, जहां लाभार्थी अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

योगी सरकार ने योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार करने पर भी जोर दिया है। तहसील दिवसों में लाभार्थियों की सूची और पात्रता की शर्तों को सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित किया जाएगा। होर्डिंग, पोस्टर और हैंडबिल के जरिए भी लोगों तक जानकारी पहुंचाई जाएगी, ताकि ज्यादा से ज्यादा जरूरतमंद इस योजना का लाभ उठा सकें। योजना को लेकर तकनीकी स्तर पर भी सुधार किए जा रहे हैं। योगी सरकार इस योजना में तकनीकी सुधार भी कर रही है।

पठानकोट एयरबेस से उड़ान भरते ही अपाचे हेलीकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग

भारतीय वायुसेना ने आपातकालीन लैंडिंग के कारणों की नहीं दी जानकारी

पठानकोट। भारतीय वायुसेना के एम17 अपाचे हेलीकॉप्टर की शुक्रवार को पठानकोट के नंगलपुर इलाके में इमरजेंसी लैंडिंग हुई। माना जा रहा है कि तकनीकी खराबी के कारण एहतियातन लैंडिंग कराई गई। इसमें किसी तरह के नुकसान की खबर नहीं है। अपाचे हेलीकॉप्टर ने पठानकोट एयरबेस से उ?ान भरी थी। पुलिस ने कहा कि पठानकोट वायुसेना स्टेशन से उड़ान भरने वाले हेलीकॉप्टर को तकनीकी दिक्कतों के बाद खुले मैदान में उतरना पड़ा। हेलीकॉप्टर को उतरते देख ग्रामीण मौके पर एकत्र हो गए,

लेकिन सुरक्षाकर्मियों ने तुरंत इलाके की घेराबंदी कर दी।

अभी तक भारतीय वायुसेना की ओर से आपातकालीन लैंडिंग के कारणों के बारे में कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया गया है। मौके पर मौजूद वरिष्ठ अधिकारियों ने ऑपरेशनल और सिक्योरिटी प्रोटोकॉल का हवाला देते हुए टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि सार्वजनिक सुरक्षा या बुनियादी ढांचे को कोई खतरा नहीं है। इससे पहले 6 जून को भी इंडियन एयरफोर्स के एक अपाचे हेलीकॉप्टर की उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में इमरजेंसी लैंडिंग हुई थी। भारतीय वायुसेना के अधिकारियों ने बताया था कि एक नियमित प्रशिक्षण उड़ान के दौरान अपाचे हेलीकॉप्टर ने सहारनपुर के पास एहतियातन लैंडिंग की। कुछ घंटे बाद एयरफोर्स के टेक्नीशियन की मदद से हेलीकॉप्टर को सहारनपुर एयरबेस पर वापस लाया गया।

फुकेत से दिल्ली आ रहे एयर इंडिया के विमान में बम की धमकी

थाई एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग

नई दिल्ली। अहमदाबाद में बड़े हादसे के बाद एयर इंडिया का एक अन्य विमान भी मुसीबत में आ चुका है। यह विमान थाईलैंड के फुकेत से दिल्ली के लिए जा रहा था। विमान की इमरजेंसी लैंडिंग हुई है। बताया जाता है कि इस विमान को लेकर बम की धमकी मिली थी। विमान में कुल 156 यात्री सवार थे। एयर इंडिया के विमान ने शुक्रवार

सुबह करीब नौ बजकर तीस मिनट पर फुकेत से दिल्ली के लिए उड़ान भरी थी। लेकिन अंडमान सागर में ही विमान वापस लौटा और फिर थाई द्वीप के एयरपोर्ट पर उतर गया। फिलहाल बम की धमकी को लेकर बहुत ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है। वहीं, बताया गया है कि विमान की तलाशी के दौरान किसी तरह का बम नहीं मिला है। गौरतलब है कि पिछले साल इंडियन एयरलाइंस और एयरपोर्ट्स को बड़ी संख्या में बम की झूठी धमकियां मिली थीं। पहले 10 महीनों में ही इसतरह के करीब 1000 फोन और मैसेज आए थे। साल 2023 की तुलना यह 10 गुना था।

ब्लॉक प्रमुख विजय सिंह गोलू राजा ने जनहित को ध्यान में रखते हुये निजी धनराशि से लैब का जीर्णोद्धार कराकर अनुकरणीय उदाहरण पेश किया

अपने स्वर्गीय भाई डॉ. जे.के. सिंह का स्वपन पूर्ण कर रहे ब्लॉक प्रमुख तालबेहट

तालबेहट क्षेत्रवासियों को नयी सौगात मिली

ललितपुर। तालबेहट नगर व क्षेत्रवासियों को एक नयी सौगात मिल गयी है। प्रदेश के मुख्यमन्त्री योगी आदित्यनाथ ने सरकारी अस्पतालों में विभिन्न प्रकार की जाँचें कराने के दिशा-निर्देश जारी किये थे। ताकि मरीजों को परेशानी न हो। मुख्यमन्त्री के निर्देशों के क्रम में जनपद ललितपुर में सबसे पहले यह सुविधा तालबेहट के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में मंगलवार से शुरू हो गयी है। वर्षों से सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में विभिन्न जाँचें नहीं हो पा रहीं थीं, जिससे मरीजों को परेशानियों का सामना करना पड़ता था। अब तालबेहट के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में मात्र 1 रूपये के पर्चे पर विभिन्न प्रकार की जाँचें आसानी से हो जायेंगी। खास बात यह कि रिपोर्ट लेने के लिये मरीजों को अस्पताल के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे और न ही लाइन में लगकर रिपोर्ट के लिये इंतजार करना पड़ेगा। अब यहाँ होने वाली जाँचों की रिपोर्ट एसएमएस के जरिये मरीज के ह मोबाइल पर ही मुहैया हो जायेगी। इस में अनूठी सुविधा का शुभारम्भ मंगलवार को मुख्य अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष हरिश्चन्द्र रावत, ब्लॉक प्रमुख विजय सिंह गोलू राजा, नगर पंचायत अध्यक्ष पुनीत सिंह परिहार , अपर निदेशक चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण झाँसी मण्डल झाँसी डॉ. सुमन, संयुक्त व निदेशक स्वास्थ्य झाँसी मण्डल झाँसी ,मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. इम्तियाज अहमद ने शिलापट्टा का अनावरण व फीता काटकर किया। बता दें, कि ब्लॉक प्रमुख विजय सिंह गोलू राजा ने जनहित को ध्यान में रखते हुये निजी धनराशि से कीर्तिशेष डॉ0 जय कुमार सिंह (जे के सिंह) की स्मृति में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र तालबेहट के अंदर लैब भवन का जीर्णोद्धार एवं सौंदर्यीकरण करवाया गया।

उक्त लैब का जीर्णोद्धार कराकर उन्होंने अनुकरणीय उदाहरण पेश किया है। क्षेत्रवासियों को निश्चित ही इसका लाभ मिलेगा और उपचार में सुगमता होगी। इसके पूर्व उन्होंने सीएचसी में एक हेल्थ एटीएम मशीन भी भेंट की थी। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के अधीक्षक डॉ. विशाल पाठक ने बताया कि अस्पताल आने वाले मरीजों को चिकित्सीय सलाह के बाद विभिन्न प्रकार की जाँचों के लिये पैथोलॉजी लैब की खिडक़ी पर आकर रजिस्ट्रेशन कराना होगा। रजिस्ट्रेशन के समय जो मोबाइल नम्बर उपलब्ध कराया जायेगा,उसी पर जाँच रिपोर्ट एसएमएस के जरिये भेजी जायेगी। जिससे मरीजों को परेशानी नहीं होगी और चिकित्सकों को भी रिपोर्ट देखने के बाद उपचार मुहैया कराने में सुगमता होगी। इस दौरान उपस्थित अतिथियों एवं स्वास्थ्य अफसरों ने अधीक्षक के कार्यों की सराहना की। इस दौरान भाजपा मण्डल अध्यक्ष नीरज पटैरिया, रामू बिलगैया, मानसमणि तिवारी, दिवाकर चतुर्वेदी, मोनू पस्तोर, सुमित गुप्ता, अकरम खान, डॉ. नितिन बजाज, डॉ. सौरभ तिवारी, डॉ. अभिषेक नामदेव, डॉ. सूरज सिंह, डॉ. धर्मेन्द्र सेंगर, डॉ. शिल्पा पाठक, फार्मासिस्ट गौतम, एक्सरे टेक्निशियन राहुल द्विवेदी, स्टाफ नर्स कमला सिंह, कांउसलर निक्को सलूजा के अलावा स्वास्थ्यकर्मी मौजूद रहे।

» न्यूज कैप्सूल »

भगवान ने नहीं की पूजा स्वीकार, दीपक की लौ से घर में लगी आग

गुरसरांय। गुरसरांय थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम सुट्टा में एक घर में आग लगने से हड़कंप मच गया मामले की सूचना ग्रामीणों ने फायर बिग्रेड को दी। काफी मशक्कत के बाद टीम ने आग पर काबू पाया। इस घटना में किसी जान माल की हानि नहीं हुई। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम सुट्टा निवासी राजू पटेल पुत्र स्वामी प्रसाद पटेल के यहां रात के समय घर में पूजा की अलमारी में पूजा अर्चना करने के लिए दीपक जलाया था। दीपक की लौ ने अलमारी में डले पर्दे ने आग पकड़ ली। धीरे धीरे आग वह घर के ऊपर डले छान छप्पर ने पकड़ ली। आग का विकराल रुप देख आस पड़ोस में हड़कंप मच गया मामले की सूचना फायर बिग्रेड को दी गई। मौके पर जाकर फायर बिग्रेड की टीम ने जाकर काफी देर की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

ट्रेन में सफर के दौरान हालत बिगड़ने से यात्री की हुई मौत

मोंठ (झाँसी)। गोरखपुर से पुणे जा रही ट्रेन में एक यात्री की अचानक तबीयत बिगड़ गई और वह अचेत हो गया। यात्रियों की सूचना पर रेलवे पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए यात्री को मोंठ स्टेशन पर उतारकर अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।जानकारी के अनुसार, उत्तर प्रदेश के गोरखपुर जिले के थाना शिवपुर अंतर्गत ग्राम तिलसर निवासी मिद्धूलाल पुत्र रामविलास पासवान गोरखपुर से पुणे जा रही ट्रेन संख्या 15029 में इंजन के पीछे लगे जनरल कोच में सफर कर रहे थे। गुरुवार और शुक्रवार की मध्यरात्रि जब ट्रेन मोंठ स्टेशन के पास पहुँची, तभी उनकी तबीयत अचानक खराब हो गई और वे बेहोश हो गए।ट्रेन में सफर कर रहे अन्य यात्रियों ने तत्काल इसकी सूचना रेलवे कंट्रोल रूम को दी। सूचना मिलते ही कंट्रोल रूम ने मोंठ स्टेशन पर तैनात आरपीएफ को सतर्क किया। ट्रेन को रात करीब 3:26 बजे मोंठ स्टेशन पर रोका गया। आरपीएफ चौकी प्रभारी जेपी यादव और आरपीएफ जवानों ने 108 एंबुलेंस की मदद से रात 3:38 बजे मिद्धूलाल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मोंठ के ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।चौकी प्रभारी जेपी यादव ने बताया कि घटना की जानकारी जीआरपी और आरपीएफ अधिकारियों को दी गई। शुक्रवार सुबह उरई जीआरपी टीम अस्पताल पहुँची और शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेजा। यात्री की पहचान उसके पास मिले आधार कार्ड से की गई। फिलहाल जीआरपी पुलिस घटना की जांच में जुटी है और कानूनी कार्रवाई की जा रही है। मौत के कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चल सकेगा।

दरवाजे पर गाली गलौज करने पर सात पर रिपोर्ट दर्ज

राठ। कस्बे के फरसौलियाना मोहल्ला निवासी हिमांशु गुप्ता पुत्र शिवकुमार गुप्ता ने बताया कि बुधवार शाम करीब सात बजे उसका भाई प्रमांशू गुप्ता का जगन्नाथ धाम के पा अभ्यांश अग्रवाल पुत्र ध्वनि अग्रवाल निवासी मुगलपुरा से विवाद हो गया था। चिराग सोनी व अन्य लोगों ने बीच बचाव किया था। तभी नाराज होकर रात करीब साढ़े दस बजे अभ्यांश अग्रवाल अपने साथी साथी तनिष्क सविता पुत्र सुनील कुमार सविता निवासी जुगयाना, पार्थ बुधौलिया पुत्र चन्द्र प्रकाश बुधौलिया निवासी सिकन्दरपुरा, प्रिन्श राजपूत पुत्र शत्रुधन राजपून निवासी धमना हाल पता चरखारी रोड राठ, आयन पुत्र इनायत, मुशर्तखान पुत्र सुव्वन खान, व स्वेह उर्फ सोलू पुत्र सुलेमान खान निवासीगण फरसौलियाना अपने हाथ में लाठी, तमंचा लेकर उसके दरवाजे आ गए और दरवाजा पीटते हुए भाई प्रियांशू को बुलाने लगे। बताया कि डर के कारण दरवाजा नहीं खोला। तभी उक्त लोग चिराग सोनी पुत्र अनिल सोनी दरवाजा पीटते हुए गाली देकर बाहर निकलने के लिये कहने लगे। दरवाजा न खुलने पर उक्त लोग गाली गलौज कर जान से मारने की धमकी देकर भाग गए। पीड़ति ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया है।

चावल की कालाबाजारी करने पर दुकानदार सहित मुनीम व चालक के विरुद्ध मुकदमा दर्ज

राठ। एक सप्ताह पहले उरई बस स्टैंड के पास से गल्ला व्यापारी के यहां उपजिलाधिकारी अभिमन्यु कुमार के नेतृत्व में नायब तहसीलदार बीरपाल सिंह व पूर्ति निरीक्षक अधिकारी रविन्द्र कुमार ने छापा मारा डीसीएम ट्रक और एक ई रिक्शा से 157 बोरी चावल की पकड़ी थी। चावल के दस्तावेज न दिखाएं जाने पर पूर्ति निरीक्षक अधिकारी ने दुकान मालिक सहित मुनीम व चालक के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराया है।

पूर्ति निरीक्षक अधिकारी रविन्द्र कुमार ने बताया कि चार मई को एसडीएम के निर्देश पर नायब तहसीलदार वीरपाल सिंह उरई रोड पर दुकान पर छापा मारा था। जहां दुकान से एक डीसीएम ट्रक व ई रिक्शा में चावल लोड हो रहे थे। मौके पर पहुंच डीसीएम ट्रक व ई रिक्शा को कोतवाली में पहुंचा दिया है।बताया कि डीसीएम ट्रक में 150 बोरी चावल व ई रिक्शा में सात बोरी चावल बरामद किए गए हैं। बताया कि दुकानदार कोई कागजात नहीं दिखा सका है। बताया कि मौके पर रामसनेही से पूछा तो उसने बताया कि वह दुकान का मुनीम है। डेढ़ वर्ष से काम कर रहा है। वह चालक को नहीं जानता है।

बूँद-बूँद का हिसाब दो- जल जीवन मिशन पर डीएम का एक्शन मोड, 30 जून डेडलाइन

विद्युत विभाग के अधिशासी अभियंता को नोटिस
पानी नहीं पहुँचा, गिरेगी गाज

चित्रकूट। जिले में जल जीवन मिशन की प्रगति को लेकर डीएम शिवशरणप्पा जीएन की अध्यक्षता में जिला कलेक्ट्रेट सभागार में समीक्षा बैठक हुई। बैठक में अधिशासी अभियंता जल निगम ने बताया कि सिलौटा मुस्तकिल पेयजल योजना के 143 मजरों में से 103 मजरों में शत-प्रतिशत नियमित जलापूर्ति प्रारंभ हो चुकी है। इस पर जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि शेष 39 मजरों में भी 30 जून तक जलापूर्ति करें। रैपुरा ग्राम योजना के 321 मजरों में से 179 मजरों में जल आपूर्ति चालू हो चुकी है, जबकि जिलाधिकारी ने 258 मजरों में इसी तिथि तक जलापूर्ति प्रारंभ करने के निर्देश दिए। चांदी बांगर ग्राम योजना के 1201 मजरों में से अब तक 321 मजरों में ही पानी पहुंच सका है, जिसे बड़ाकर 30 जून तक 450 मजरों तक पहुंचाने का लक्ष्य तय किया गया है। जिलाधिकारी ने जल निगम कार्यालय में सहायक अभियंता स्तर के दो वरिष्ठ अधिकारियों- शोभित गुप्ता (मो 7007211124) एवं गुलाम सिबटेन (मो 7275340328)-

की निगरानी में कंट्रोल रूम स्थापित करने के निर्देश दिए, ताकि पेयजल संबंधित शिकायतों का समयबद्ध हो। निर्देश दिया कि चांदी बांगर, सिलौटा मुस्तकिल और रैपुरा योजनाओं के में जो ओएचटी अब तक क्रियाशील नहीं हुए हैं, उन्हें तत्काल चालू कराते हुए शेष फिनिशिंग कार्यों को भी पूर्ण कराएं। ग्रामों में जलापूर्ति की हकीकत को जांचने के लिए ग्राम प्रधान, सचिव, जेई व टीपीआई की संयुक्त टीम बनाकर रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा गया है। बैठक में विद्युत विभाग के अधिशासी अभियंता के अनुपस्थित पाए जाने पर कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए, साथ ही रैपुरा योजना में विद्युत संबंधी समस्याओं का प्राथमिकता पर निस्तारण करने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी श्रीमती अमृतपाल कौर, अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे स्वप्निल यादव, अधिशासी अभियंता जल निगम आशीष भारती, सहायक अभियंता महावीर सिंह समेत कार्यदायी संस्थाओं के प्रतिनिधि मौजूद रहे। जिलाधिकारी ने दो टूक कहा कि जल जीवन मिशन की प्रगति में किसी भी स्तर पर लापरवाही क्षम्य नहीं होगी और सभी विभाग अपने कार्यों की समयबद्ध पूर्णता सुनिश्चित करें।

सीएचसी में इलाज के दौरान अधेड़ की हुई मौत, पुत्र बोला लू लपट (हीट स्ट्रोक) से हुई है पिता की मौत

हमीरपुर। जनपद में राठ कस्बे के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में आज शुक्रवार को 50 वर्षीय एक अधेड़ व्यक्ति की हालत बिगड़ने से इलाज के दौरान मौत हो गई। घटना की जानकारी लगते ही मृतक व्यक्ति के परिवार में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस के द्वारा मृतक व्यक्ति के शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम कराया जा रहा है।

जानकारी के अनुसार महोबा जनपद में पनवाड़ी थाना क्षेत्र के रिछा गांव का निवासी 50 वर्षीय चंद्रभान पाल पुत्र बाबूलाल जो कि मिट्टी ढोने वाले ट्रक में ड्राइवर था। चंद्रभान की आज शुक्रवार की सुबह अत्यधिक गर्मी की वजह से हालत बिगड़ गई। जिसके बाद ट्रक के खलासी राहुल ने उसे आनन फानन में इलाज हेतु राठ के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। जहां इलाज के दौरान चंद्रभान पाल की मौत हो गई। मृतक के परिजनों ने बताया कि मृतक चंद्रभान पाल के पास गांव में 10 बीघा कृषि भूमि थी जिसमें वह खेती किसानी के अलावा ट्रक में ड्राइवरी कर अपने परिवार का भरण पोषण करता था। मृतक के पुत्र आकाश ने बताया कि उसके पिता बुधवार की रात को ट्रक लेकर घर से निकले थे। बताया कि लू लपट लगने से उसके पिता की मौत हुई है। वहीं राठ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सक कनिष्क माहुर ने बताया कि पनवाड़ी थाना क्षेत्र के रिछा गांव के निवासी चंद्रभान पाल को हाई ग्रेड फीवर (अत्यधिक तेज बुखार) था। जिनकी इलाज के दौरान मौत हो गई है। मामले में राठ कोतवाली पुलिस का कहना है कि मृतक के शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम कराया जाएगा।

संदिग्ध परिस्थितियों के चलते 70 वर्षीय वृद्ध की हुई मौत, पुत्र ने जताई हत्या की आशंका

चार दिन पहले जमीन के मुकदमे की तारीख करने के लिए दिल्ली से आया था

हमीरपुर। जनपद में राठ क्षेत्र के मुस्करा थाना एवं मुस्करा कस्बा में संदिग्ध परिस्थितियों के चलते 70 वर्षीय एक वृद्ध व्यक्ति का उसके मकान में शव पड़ा हुआ मिलने से हड़कंप मच गया। मृतक के पुत्र ने पिता की हत्या या आशंका जताई है। सूचना पर पहुंची पुलिस के द्वारा शुक्रवार को मृतक व्यक्ति के शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम कराया गया है।

जानकारी के अनुसार राठ क्षेत्र के मुस्करा थाना एवं मुस्करा कस्बे के निवासी 70 वर्षीय वृद्ध बाबू पुत्र भूरा का शव उसके घर के अंदर संदिग्ध परिस्थितियों में पड़ा हुआ मिला। मृतक के परिजनों ने बताया कि मृतक बाबू और उसका पूरा परिवार दिल्ली में रहकर मजदूरी करता है। बताया कि मृतक बाबू बीते 4 दिन पहले जमीन के मुकदमे की तारीख करने के लिए दिल्ली से अपने घर मुस्करा आया हुआ था। मृतक के पुत्र संकेश ने बताया कि उसके पिता का शव लहूलुहान हालत में पड़ा हुआ था। तथा उनके शरीर में चोटों के निशान भी थे। मृतक के पुत्र ने पिता की हत्या की आशंका जताई है। मृतक बाबू अपने पीछे पत्नी फूला देवी के अलावा पुत्र संकेश, देव व राजू सहित पुत्री रजनी को रोता बिलखता हुआ छोड़ गया है। मामले में मुस्करा थाना के प्रभारी इंस्पेक्टर ने बताया कि मृतक के शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम कराया गया है तथा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित कराई जाएगी।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार दो युवकों की हुई मौके पर मौत, ससुराल से वापस लौटकर जा रहा था घर

हमीरपुर। जनपद में राठ कस्बे के नहर बाईपास पर ससुराल से वापस लौट रहे बाइक सवार दो युवकों की अज्ञात वाहन की टक्कर से मौत हो गई। घटना की जानकारी लगते ही मृतक युवकों के परिवार में कोहराम मच गया।

सूचना पर पहुंची पुलिस के द्वारा दोनों मृतकों के शवों का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम कराया जा रहा है।

जानकारी के अनुसार मध्य प्रदेश के छतरपुर जनपद के नौगांव के निवासी संतोष पुत्र छोटेलाल व राकेश पुत्र कृपाल जो कि गुरुवार की रात करीब साड़े 11 बजे राठ कोतवाली क्षेत्र के औंता गांव मैं स्थित अपनी ससुराल से वापस अपने घर नौगांव जा रहे थे। तभी रास्ते में राठ कस्बे के सैना रोड नहर बाईपास पर तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। जिससे हुए हादसे में संतोष और राकेश की मौके पर ही मौत हो गई। नौगांव निवासी ईश्वर अनुरागी ने बताया कि उसका बड़ा भाई संतोष दिल्ली में मजदूरी करता था। वह परिवार सहित दिल्ली में रहता था। तीन माह पहले ही संतोष घर आया था। बच्चों के स्कूल खुले होने पर उसकी भाभी वहीं पर थी। बताया कि स्कूल बंद होने पर भाभी बच्चों को लेकर अपने मायके राठ के औंता गांव आ गई थी। बताया कि गुरुवार को भाई सन्तोष अपने मित्र राकेश को लेकर भाभी से मिलने ससुराल गया था। वह पहले कुलपहाड़ में रिश्तेदार राजेन्द्र के यहां गए। उधर से रिश्तेदार की बाइक उठाकर ससुराल के लिए निकले। बताया कि रात करीब नौ बजे वह ससुराल से कुलपहाड़ के लिए निकले। दस बजे भाई ने रिश्तेदार को फोन करके कहा कि वह लोग आ रहे हैं। चिकन बना लेना। सुबह जानकारी हुई कि भाई का एक्सीडेंट हो गया है। मृतक अपने पीछे तीन पुत्री 09 वर्षीय अंशू, 07 वर्षीय माही और 05 वर्षीय परी को रोता बिलखता छोड़ गया है। पति की मौत पर पत्नी भारती का रो रोकर बुरा हाल है। वहीं मृतक राकेश अहिरवार के भाई किशन लाल उर्फ पप्पू ने बताया कि वह घर से दोस्त के साथ जाने के लिए कहकर निकला था। मृतक अविवाहित था। पुत्र की मौत पर मां चत्तीबाई अहिरवार का रो रोकर बुरा है। मामले में राठ कोतवाली की प्रभारी इंस्पेक्टर ने बताया कि मृतकों के शवों का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम कराया जाएगा।

संदिग्ध अवस्था में खेत में पड़ा मिला अधेड़ व्यक्ति का शव, परिजनों ने जताई सर्प दंश से मौत होने की आशंका

हमीरपुर। जनपद में सरीला तहसील के जलालपुर थाना क्षेत्र के ममना गांव में संदिग्ध अवस्था में 55 वर्षीय एक अधेड़ व्यक्ति का शव खेत में पड़ा हुआ मिलने से हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस के द्वारा शुक्रवार को मृतक व्यक्ति के शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम कराया गया है।

जानकारी के अनुसार सरीला तहसील के जलालपुर थाना क्षेत्र के ममना गाँव का निवासी 55 वर्षीय अन्नी कुशवाहा पुत्र हल्के कुशवाहा जो कि कल गुरुवार की सुबह करीब 11:00 बजे अपने घर से खेतों में आम तोड़ने के लिए गया हुआ था। जिसके बाद शाम करीब 6:00 चरवाहों ने अन्नी कुशवाहा को खेतों में मृत अवस्था में पड़ा हुआ देखा तो उनके परिजनों को सूचना दी। मृतक के परिजनों ने बताया कि मृतक अन्नी कुशवाहा अविवाहित था तथा अपनी डेड़ बीघा कृषि भूमि में खेती किसानी के अलावा ठेके पर आम का पेड़ भी लिए था। मृतक अन्नी कुशवाहा के भतीजे श्याम जी ने आशंका जाहिर करते हुए बताया कि सम्भवत: सर्प दंश से अन्नी कुशवाहा की मौत हुई है। मामले में जलालपुर थाना के प्रभारी इंस्पेक्टर ने बताया कि मृतक के शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम कराया गया है तथा मामले में आवश्यक कार्रवाई कराई जाएगी।

लो वोल्टेज, हाई टेंशन- चकमाली में फूटा जन आक्रोश

चित्रकूट। चिलचिलाती गर्मी, धू-धू करता ट्रांसफॉर्मर और अंधेरे में रातें- चकमाली अमानपुर के निवासियों का सब्र अब जवाब दे रहा है। एक बार फिर ट्रांसफॉर्मर फुंकने से पूरा मुहल्ला अंधेरे में डूब गया, लोग परेशान हैं, बच्चे बिलख रहे हैं, बुजुर्ग तड़प रहे हैं और महिलाएं रात भर पंखा झेलते थक चुकी हैं। 12 जून की रात, बिजली गुल होने के बाद मोहल्ले में हाहाकार मच गया। लोगों ने बताया कि विद्युत विभाग द्वारा बार-बार खराब ट्रांसफॉर्मर लगाए जा रहे हैं जो कुछ घंटों में ही धू-धू करके फुंक जाते हैं। बीती रात रात्रि 9 बजे ट्राली हटाकर जो नया ट्रांसफॉर्मर लगाया गया, वह भी जल उठा। आग की लपटों ने न सिर्फ बिजली बल्कि लोगों की उम्मीदें भी जला डालीं।

सीएम मत्स्य सम्पदा योजना के आवेदन 16 जून से शुरू, 30 जून तक का अवसर

चित्रकूट। वित्तीय वर्ष 2025-26 में मुख्यमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 16 जून से प्रारंभ की जा रही है। इस संबंध में सहायक निदेशक मत्स्य विभाग ने बताया कि योजना के तहत जनसामान्य को लाभान्वित करने को आवेदन 30 जून तक किए जा सकेंगे। विभागीय पोर्टल के माध्यम से आवेदन किया जा सकता है। पोर्टल पर योजना से संबंधित परियोजनाओं का विवरण, इकाई लागत, आवेदन प्रक्रिया, आवश्यक दस्तावेजों की सूची एवं अन्य महत्वपूर्ण जानकारी उपलब्ध है। योजना में पूर्व वर्षों के निरस्त या प्रतीक्षारत आवेदक भी पुन: आवेदन कर सकते हैं। यदि शासन स्तर से योजना में कोई संशोधन होता है तो नए निर्देश स्वत: प्रभावी होंगे।

अस्थाई बस अड्डा बनाम यात्री शेडड़ जहां जनता बस पकड़ती थी, वहां अब नगर पालिका विकास करेगी 0 अस्थाई बस अड्डा हटाने के पीछे कौन-कौन 0 क्लासिक प्रशासनिक तर्क और सीएम योगी चित्रकूट। जिस शहर में बस अड्डे का मतलब जनता की सुविधा होना चाहिए, वहां प्रशासन को बस एक ही चिंता है- जमीन कब खाली कराई जाएड़ हालात देखकर तो यही लगता है कि चित्रकूट में अस्थाई बस अड्डे से अधिक, बस अड्डे की जमीन से लगाव बड़ गया है। जमीन से ऐसा अनुराग आमतौर पर तब देखने को मिलता है जब उसमें कॉर्पोरेट कनेक्शन या क्लियर कट कॉन्फ्लिक्ट छुपा हो। शुक्रवार को इसी मुद्दे पर रोडवेज के रीजनल मैनेजर और जिले के कुछ आला अफसरों की बैठक हुई। बैठक में जिस प्रकार की गरमागरम बहस हुई, उससे साफ है कि असली मुद्दा जनता की सेवा नहीं, बल्कि योजना कहीं और की है। सूत्रों के अनुसार अधिकारियों ने खुले शब्दों में कह दिया- अस्थाई बस अड्डे की जमीन कहीं और देख लो, नदी किनारे (बांदा के यात्रियों के लिए) या कहीं राजापुर वालों के लिए अलग शेड बना लो। सवाल है कि अगर एक चल रहे अस्थाई बस अड्डे को हटाने की इतनी जल्दी है, तो उसके पीछे ऐसा कौन सा विशेष प्रयोजन है कि नोटिस पीरियड तक का इंतजार नही हो सकाड़ और अब आया क्लासिक प्रशासनिक तर्क- सीएम योगी का आदेश है कि शहर के अंदर कोई बस अड्डा नहीं रहेगा। लेकिन दिलचस्प बात यह है कि जो स्थान अभी तक अस्थाई बस अड्डा कहा जा रहा था, वह न तो एक भवन था, न परिसर, बस एक 8 गुणे 8 फीट का यात्री शेड था, बस अड्डा नहीं। तो फिर सीएम के आदेश को लागू करने की आड़ में, क्या किसी का निजी एजेंडा तो नहीं चलाया जा रहाड़ सवाल बिल्कुल साफ है- जब प्रयागराज व कानपुर जैसे बड़े शहरों में एक से ज्यादा बस अड्डे चल सकते हैं, तो चित्रकूट जैसे धार्मिक नगर में एक भी अस्थायी अड्डा क्यों नहीं सहा गयाड़ प्रशासनिक हड़बड़ी और जनभावनाओं की उपेक्षा इस पूरे घटनाक्रम में साफ झलकती है।

» न्यूज कैप्सूल »

गुरसरांय विद्युत चेकिंग में 28 कनेक्शन काटे व 12 लाख एमाउंट की 7 एफआईआर हुई दर्ज

गुरसरांय। विद्युत उपखण्ड गुरसरांय के अंतर्गत कस्बा के नई बस्ती,शांति लॉज के पीछे व धनाई मोहल्ला में उपखण्ड अधिकारी गुरसरांय ललतेश कुमार यादव की देखरेख में अवर अभियंता दीपक कुमार व संविदा कर्मी हरप्रसाद,रामकेश,अजय, लव,मुकेश आदि स्टाफ ने विद्युत चेकिंग दौरान 28 कनेक्शन को काटा गया और 12 लाख रुपये एमाउंट की 7 एफआईआर बिजली चोरी बाईपास का मुकदमा दर्ज कराया गया।

औपारा रोड पर 27 वर्षीय युवक का शव मिलने से मचा हड़कंप

चिरगांव (झांसी)। थाना क्षेत्र के अंतर्गत औपारा रोड पर एक युवक का शव सड़क किनारे पड़ा था तभी वहां से गुजर रहे राहगीरों ने देखा और इसकी सूचना थाने पर दी सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शु रू कर दी है। शव की स्थिति देखकर धूप लगने से युवक की मौत हुई स्थानीय लोगों की मानें तो दोपहर के समय एक मैरिज गार्डन के सामने एक युवक का शव पड़ा मिला मृतक की पहचान संजीव वर्मा पुत्र बाबूलाल उम्र करीब 27 वर्ष निवासी सिमथरी मृतक औपारा रोड के पास एक मकान निर्माण में कार्य कर रहा था तबीयत खराब होने पर वह डॉक्टर को दिखाने चिरगांव आया और लौटते समय छाया में बैठ गया और बैठे-बैठे वहीं पर बेहोश हो गया जब लोगों ने देखा तो उसे इसकी सूचना चिरगांव थाना पुलिस को दी मौके पर पहुंचकर पुलिस ने मृतक संजीव कुमार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चिरगांव ले गए जहां डॉक्टरों ने उसे मृत् घोषित कर दिया मृतक संजीव वर्मा की दो लड़की और एक लड़का है बड़ी लड़की की उम्र 9 साल और छोटी लड़की की उम्र 7 साल है और लड़के की उम्र 5 साल है मृतक संजीव कुमार मेहनत मजदूरी करके अपने परिवार का पालन पोषण करता था इस घटना से पूरे परिवार में कोहराम मच गया पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

दबंगों ने गांव का पानी रोका

तालाब की 200 ट्राली मिट्टी बेचने का लगा आरोप
ग्रामीणों ने डीएम से दबंगों पर कार्यवाही की मांग

बांदा। तिंदवारी थाना क्षेत्र के ग्राम महुई के ग्रामवासियों ने डीएम को शिकायती पत्र देकर बताया कि गाटा संख्या 133 पर नाजायज तरीके से बलपूर्वक साठ गांठ कर गाँव के दबंग एवं गुण्डे मिट्टी माफिया व जेसीबी मालिक द्वारा अवैधानिक रूप से तालाब की मिट्टी को बेचकर धन अर्जित किया जा रहा है।जब इसकी जानकारी ग्रामीणों ने खंड विकास अधिकारी तिंदवारी को कई बार अवगत कराया गया है जाँच के सम्बन्ध में अवगत कराना है, कि उपरोक्त विषयक प् सचिव एवं अवर अभियन्ता (लघु सिंचाई) प्रस्तुत की गई है। जो मौके नहीं गये हैं तथा गलत आख्या प्रस्तुत की गई है एवं उक्त आख्या के ग्राम महुई, तिन्दवारी,ने जवाब-बाँदा द्वारा गलत बयान कर व ग्राम पंचायत महुई द्वारा मे गलत आख्या लगाई गई है। गाँव का पानी रोक दिया है गाटा संख्या 133 में गाव का पानी बहकर जाता था उसको रोक दिया है और 200 ट्राली मिट्टी बेच दिया है और कब्जा करा दिया है। पानी आगे जाने के लिए कोई रास्ता नहीं है। गाँव के सभी लोग परेशान है। गाँव के घर मकान गिर जायेगे। ग्रामीणों की मांग है।की जाँच / करवाते हुये अवैध कब्जा, निर्माण हटवाने व जाँच सही पाये जाने पर दोषियों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्यवाही करे साथ ही स्थानीय पुलिस को आदेशित कर निर्माण कार्य रुकवाया जाना जाए इस संबंध में जब ग्रामीण वासियों से बात की गई तो उन्होंने बताया कि गांव की पूरी जल निकासी रोक दी गई है जिससे हम लोगों के घर गिरने की कगार में आ सकते हैं प्रार्थी गण समस्त निवासी महुई विमलेश कुमार राधे अवधेश बाजपेई छोटेलाल जगत किशोर गोरेलाल आदि सहित दर्जनों लोगो ने जिलाधिकारी महोदया से न्याय की गुहार लगाई है।

आटों चालकों की दबंगई से परेशान थे बस वाले

बरुआसागर। नगर पालिका परिषद बरुआ सागर द्वारा यात्रियों को एक स्थान से आने जाने की सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से बस स्टैण्ड का निर्माण कराया गया था।

जिसपर विगत कई वर्षो से बसों के नहीं आने से दबंग फुटकर फल एवं सब्जी विक्रेताओं ने अपना कब्जा जमा लिया है ! लेकिन बस स्टैण्ड कब्जा मुक्त कराने के लिए नगर पालिका एवं खाकी प्रशासन कई बार प्रयास कर चुका है । लेकिन वह भी दबंगों के आगे नतमस्तक होकर बस स्टैण्ड को कब्जा मुक्त कराने में असहाय हो रहे है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार नगर पालिका परिषद बरुआसागर द्वारा एक स्थान पर यात्रियों को आने जाने की सुविधा मुहैया कराने के उद्देश्य से वर्ष 1985 - 86 मे बस स्टैण्ड का निर्माण कराया गया था । जिसमें आसपास दुकानें भी बनाई गईं थी जिससे यात्रियों को आवश्यक सामग्री प्राप्त हो सकें ।

बस स्टैण्ड के बनने से झांसी से टहरौली, गुरसराय, गरौठा, निवाड़ी, टीकमगढ़, सागर, मऊरानीपुर, छतरपुर, राठ, हमीरपुर, बांदा, प्रयागराज ,मिर्जापुर आदि सुदूर स्थानों को जाने वाली बसें रुककर यात्रियों को ले जाने का कार्य करती रही । जिससे बस स्टैण्ड पर हमेशा चहल पहल का माहौल बना रहा । लेकिन झांसी मिर्जापुर राष्ट्रीय राजमार्ग बन जाने से यात्री बसों ने बस स्टैण्ड पर आना बंद कर दिया। अब यह बसें सीधे राष्ट्रीय राजमार्ग पर दौड़ते हुए आगे निकल जाती है और बरुआसागर बस स्टैण्ड पर उतरने एवं चढने वाले यात्रियों को मजबूरी बस राष्ट्रीय राजमार्ग पर ही बसों पर चढ़ना उतरना पड़ता है । बस स्टैण्ड पर बसों के नहीं आने से अतिक्रमणकारियों ने अपना कब्जा जमा लिया है ! हालांकि बस स्टैण्ड

पर ऑटो रिक्शा एवं सिटी बसों के आने जाने से कुछ माहौल मे तब्दीली हो जाती है।

यात्री बसों के बस स्टैण्ड पर नहीं आने से यात्री गणों ने भी बस स्टैण्ड पहुंचना बंद कर दिया है जिससे दुकानदार भी अपनी अपनी दुकानें बंद करने को मजबूर हो गए है।

इसका फायदा उठाते हुए फुटकर फल एवं सब्जी के दबंग दुकानदारों ने अपने अपने ठेले लगाकर बस स्टैण्ड पर कब्जा जमा लिया है।

फल एवं सब्जी विक्रेताओं द्वारा बस स्टैण्ड पर कब्जा किए जाने की शिकायत पर कई बार नगरपालिका एवं पुलिस प्रशासन अपना प्रयास कर चुका है लेकिन दबंग ठेले वालों के आगे वह भी अपने को असहाय मानकर शांत हो गए है !

लेकिन बस स्टैण्ड अभी भी कब्जा धारियों के हवाले बना हुआ है। बस स्टैण्ड को कब्जा मुक्त कराने मे नगर पालिका एवं पुलिस प्रशासन के असफल रहने की नगर मे जगह जगह चर्चाओं का बाजार गर्म है !

हालांकि बस स्टैण्ड पर ऑटो रिक्शा से यात्रियों को आने जाने की सुविधा प्राप्त होने से कुछ यात्री गण अभी भी बस स्टैण्ड पर पहुंच रहे है।

आटों चालकों की दबंगई से परेशान थे बस वाले

वहीं अगर सूत्रों की मानें तो अन्दर से बसें आती थी तो आए दिन आटों चालकों एंव बस वालों के बीच तू-तू-मैं-मैं होती रहती थी इसी वजह से बसें सीधे हाईवे से निकल जाती है । एवं आज भी आपे चालक अपनी आपे मंसिल माता मंदिर गेट के आगे लगा लेते हैं जिससे मन्दिर आने जाने वाले श्रद्धालुओं को काफी परेशानी उठानी पड़ती है । थाना प्रभारी शिवजीत सिंह राजावत की सख्ती के चलते कुछ दिनों तो ठीक चला लेकिन अब फिर वही पुराना ढर्रा चालू हो गया है । लोगों की मांग है कि आपे चालक अपनी आपे यथा स्थान लगाए ।

ओवरलोड आपे वाहनों से लोग परेशान

विदित हो कि आपे टैक्सी में मात्र तीन सवारी पास है लेकिन उसमें टैक्सी चालक पन्द्रह से बीस सवारी भी लेकर चलते हैं । लोगों ने परिवहन विभाग एंव पुलिस प्रशासन से मांग की है ओवरलोड वाहनों पर चालानी कार्रवाई की जाए ताकि लोगों की जान की रक्षा हो सके नहीं तो आए दिन लोग काल के गाल में समाते जा रहे हैं ।और आए दिन एक्सीडेंट में सवारियों को अपनी जान न गंवाना पड़े ।

जल जीवन मिशन के तहत बिछाई गई पाइप लाइनों में लीकेज, घरों तक नहीं पहुंच रहा पानी

गुरसरांय। जल जीवन मिशन योजना लोगों के लिए जी का जंजाल बन गई है। हर घर जल हर घर नल सरकार की पानी पहुंचाने के उद्देश्य से शुरू की गई योजना की पाइप लाइन जगह-जगह लीक कर रही है। इस कारण घरों तक पानी हीं नहीं पहुंच पा रहा है। ऊपर से सड़क पर कीचड़ हो गया है। हर घर जल,हर घर नल योजना के तहत पाइप लाइन बिछाने के लिए शहर और गांव की पहले सड़कें खोद दी गईं। इससे लोगों का चलना तक दुश्वार था। अब पाइप लाइन बिछाने के बाद कनेक्शन तो दे दिया, लेकिन पाइप लीकेज होने से गली मोहल्ले में लोगों का कीचड़ और पानी में निकलना दुश्वार हो गया है। वार्ड नं 18 के मोहल्ला वासियों ने पेजयल लाइन लीकेज होने से हो रही

परेशानी को लेकर जल्द लीकेज सही करने की मांग की है। वार्ड वासियों का कहना है कि इस योजना से पीने को तो अब तक पानी नहीं मिला लेकिन सुबह शाम पानी खोलने पर सड़कों पर पानी बहने से कीचड़ जरूर हो रहा है। एक तरफ गर्मी में पानी की किल्लत तो दूसरी ओर पानी की बर्बादी की जा रही है। गुरसरांय में जल जीवन मिशन के तहत स्थापित पाइपलाइन में जगह-जगह लीकेज हो रहे हैं, जिससे पानी बर्बाद हो रहा है और कुछ लोगों को इसका लाभ नहीं मिल पा रहा है। लीकेज को ठीक करने के लिए संबंधित अधिकारियों को जल्द से जल्द कदम उठाने की आवश्यकता है ताकि हर घर में पानी की आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके।

महावीर बाल शिक्षा संस्कार केंद्र इंटर कॉलेज के मेधावी छात्र-छात्राओं को किया गया सम्मानित

गुरसरांय। 13 जून 2025 नगर के श्री महावीर बाल शिक्षा संस्कार केंद्र इंटर कॉलेज के मेधावी छात्र आयुष पटेल जनपद में द्वितीय स्थान मुकेश पटेल जनपद में चतुर्थ स्थान अमर मिश्रा जनपद में छठवा स्थान करने पर उत्तर प्रदेश शासन द्वारा कलेक्ट्रेट सभागार झांसी में कैबिनेट मंत्री बेबी रानी मौर्य ,शिक्षक विधायक बाबूलाल तिवारी,रमा निरंजन एमएलसी,रामतीर्थ सिंघल एमएलसी, जिलाधिकारी मृदुल चौधरी, सीडीओ जुनैद अहमद, पुलिस अधीक्षक,एडीएम एवं एसडीएम जिला विद्यालय निरीक्षक रति वर्मा,प्रदीप सरावगी ने छात्रों की 21000

की चैक एक टैबलेट प्रशस्ति पत्र एवं मैडल देकर सम्मानित किया। इस दौरान सतीश सिंह,मिलन गुप्ता,सत प्रकाश द्विवेदी,प्रधानाचार्य कल्याण बाल विद्या मंदिर अन्य विद्यालय के प्रधानाचार्य उपस्थित रहे छात्रों को सम्मानित होने पर विद्यालय के अध्यक्ष उत्तमचंद जैन,प्रबंधक सुकुमार चंद्र जैन,उपाध्यक्ष राजेंद्र जैन, मंत्री प्रकाश चंद जैन,राजेंद्र जैन, प्रभात जैन, प्रमोद जैन, योगेश जैन एवं प्रधानाचार्य रामकुमार सिंह परिहार, प्रदीप, श्रुति, रविकांत पटेल,नूतन गौर आदि ने प्रसन्नता जाहिर की है।

एआरटीओ कार्यालय का डीएम-एसपी ने किया निरीक्षण, दो संदिग्ध गिरफ्तार

उरई। जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय व पुलिस अधीक्षक डॉ. दुर्गेश कुमार ने सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। कार्यालय के बाहर स्थित कैफे सेंटर का शटर बंद कर कुछ लोग भाग निकले। मौके पर मौजूद नगर मजिस्ट्रेट और एसएचओ ने दो संदिग्ध व्यक्तियों को हिरासत में लिया है, जिनसे पूछताछ जारी है। जिलाधिकारी ने प्रवर्तन शाखा, कैश काउंटर, वाहन पंजीयन काउंटर, कॉमर्शियल सेक्शन और ड्राइविंग लाइसेंस प्रक्रिया की कार्यप्रणाली का गहन अवलोकन किया। उन्होंने सभी पटलों पर लंबित प्रकरणों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि कार्यालय में पूर्ण पारदर्शिता बरती जाए और बार-बार आने-जाने वाले संदिग्ध व्यक्तियों व दलालों को चिन्हित कर कड़ी कार्रवाई की जाए। उन्होंने आम नागरिकों से अपील की कि स्वयं कार्यालय आकर कार्य संपादित करें और किसी भी दलाल के झांसे में न आएं। यदि कोई व्यक्ति कार्य के नाम पर पैसे की मांग करता है तो उसकी शिकायत कलेक्ट्रेट स्थित कंट्रोल रूम नंबर 05162-257090 पर दर्ज कराएं। शिकायतकर्ता की पहचान गोपनीय रखी जाएगी और दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

इस अवसर पर नगर मजिस्ट्रेट राजेश कुमार वर्मा, संभागीय परिवहन अधिकारी सुरेश कुमार, एसएचओ अरुण राय आदि मौजूद रहे।

जालौन के 16 आयुष्मान आरोग्य मंदिरों को मिला NQAS सर्टिफिकेशन

दिसंबर 2025 तक 50त्न चिकित्सा इकाइयों के सर्टिफिकेशन का लक्ष्य

उरई। जनपद जालौन स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता की दिशा में लगातार प्रगति कर रहा है। मंडलायुक्त विमल कुमार दुबे के निर्देशानुसार, जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय के मार्गदर्शन और मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. एन. डी. शर्मा के नेतृत्व में मई माह में जनपद के सात आयुष्मान आरोग्य मंदिरों को नेशनल क्वालिटी एश्योरेंस स्टैंडर्ड (ह्वक्रस्) का सर्टिफिकेशन प्राप्त हुआ है। एक अन्य केंद्र का परिणाम अभी लंबित है। अब तक जनपद के कुल 16 आयुष्मान आरोग्य मंदिर ह्वक्रस् सर्टिफाइड हो चुके हैं। इस उपलब्धि में मुख्य विकास अधिकारी और जिला पंचायत राज अधिकारी का विशेष सहयोग रहा। भारत सरकार ने दिसंबर 2025 तक 50 प्रतिशत और दिसंबर 2026 तक शत-प्रतिशत चिकित्सा इकाइयों को ह्वक्रस् सर्टिफाइड करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इसी क्रम में, जून माह में 10 और इकाइयों के दस्तावेज सक्षम पोर्टल पर अपलोड करने का लक्ष्य तय किया गया है, जिसे जिला परामर्शदाता (क्वालिटी एश्योरेंस) डॉ. अरुण कुमार द्वारा मुख्य चिकित्सा अधिकारी के निर्देशन में तैयार किया गया है ग्राम प्रधानों और सचिवों ने अपने-अपने क्षेत्रों में आयुष्मान आरोग्य मंदिरों की खामियों को दूर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। ह्वक्रस् सर्टिफिकेशन के दौरान भवन की स्थिति, बिजली और पेयजल की उपलब्धता, दवाओं और जांच किटों की आपूर्ति, तथा रोगियों को दी जाने वाली सुविधाओं में उल्लेखनीय सुधार सुनिश्चित होता है। अब तक डकोर ब्लॉक के 4, रामपुरा व जालौन के 3-3, कदौरा व महेवा के 2-2 तथा कुठौंद और नदीगांव ब्लॉक के 1-1 आयुष्मान आरोग्य मंदिरों को यह सर्टिफिकेशन प्राप्त हुआ है। इस उपलब्धि पर जिलाधिकारी और मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने संबंधित ब्लॉकों के प्रभारी चिकित्सा अधिकारियों की सराहना की है और उन्हें बधाई दी है।

कूलर के करंट की चपेट में आने से मासूम की मौत

कालपी। कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला राजघाट में शुक्रवार को घर में रखे कूलर में उतर रहे करंट की चपेट में आने से मासूम की मौत हो गई।

नगर के मुहल्ला राजघाट निवासी भरत पांडेय की पांच वर्षीय पुत्री कौशकी घर के आंगन में भाई पार्थ के साथ खेल रही थी। इसी दौरान भाई घर के बाहर चला गया और कौशकी भी कमरे में जाने लगी। तभी उसने कूलर में हाथ लगा दिया। जिससे वह कूलर के करंट की चपेट में आ गई और बेसुध होकर वहीं गिर गई। जब पिता भरत पांडेय कमरे से बाहर निकले तो उन्होंने पुत्री को बेसुध कूलर के पास पड़ा देखा तब कूलर बंद किया और पुत्री को तुरंत इलाज के लिए सीएचसी ले गए। जहां पर जांच पड़ताल के बाद डाक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। जैसे ही पुत्री की मौत होने की खबर परिजनों को लगी तो उनमें कोहराम मच गया। बताया गया कि पिता ने पुलिस को बगैर सूचना दिए ही पुत्री का शव घर ले आए और उसका दाह संस्कार कर दिया है। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक परमहंस तिवारी ने कहा कि उन्हें घटना की सूचना नहीं दी गई है।

एक को शादी का झांसा देकर किया दुष्कर्म, दूसरी से रचाई शादी, मामला दर्ज

कदौरा। थाना क्षेत्र की एक ग्राम निवासी युवती ने थाने में तहरीर दी। जिसमें बताया कि उसके गांव के एक युवक ने पहले उसे अपने प्रेम जाल में फंसा लिया। इसके बाद प्रेम संबंधों के दौरान उसने कई बार उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए और उसे शादी का झांसा देता रहा। जब काफी समय हो गया तो युवती ने उसके इस कृत्य का विरोध किया तो आरोपी स्वदेश कुमार पुत्र वीर सिंह शादी का हवाला देकर उसे चुप करा देता था। काफी समय तक अपने परिजनों से छुपाई रखने के बाद मामला तब उजागर हुआ जब युवती की मानसिक व शारीरिक हालत लगातार बिगड़ने लगी। परिजनों द्वारा पूछताछ करने पर उसने आपबीती बताई, जिससे परिवार में कोहराम मच गया। युवती ने बताया कि आरोपी युवक ने करीब तीन महीने पहले उसके साथ जबरन दुष्कर्म किया था और लगातार यह आश्वासन देता रहा कि वह जल्द ही शादी करेगा। लेकिन दो माह पूर्व आरोपी ने चुपचाप किसी और लड़की से विवाह कर लिया। जब इस घटना की जानकारी युवती व परिजनो को हुई तब परिजनों के साथ थाने पहुंचकर उसने आरोपी के खिलाफ प्रार्थना पत्र दिया। थाना प्रभारी प्रभात कुमार सिंह का कहना है कि आरोपी युवक के खिलाफ तहरीर के आधार पर मामला दर्ज किया गया है। युवती को मेडिकल परीक्षण करवाया है और मजिस्ट्रेट के सामने युवती के बयान दर्ज करवाये गए है।

हत्यारोपी को हुआ आजीवन कारावास, 60 हजार का लगा जुर्माना

उरई। न्यायालय में ट्रायल पर चल रहे चार वर्ष पूर्व हुई हत्या के मामले में कोर्ट ने आरोपी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही कोर्ट ने आरोपी पर 60 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है।

शासकीय अधिवक्ता ब्रजराज सिंह ने बताया कि कदौरा थाना क्षेत्र के चतेला गांव का है। जहां का निवासी अमीर हमजा बीती 5 अप्रैल 2021 को गांव के ही अमजद की दुकान पर गया था। जहां से वह सामान लेकर घर जा रहा था। इसी दौरान रास्ते में पहले से घात लगाए बैठे गांव के ही राशिद पुत्र इब्राहिम ने अवैध तमंचे से गोली मारकर हत्या कर दी थी। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी फरार हो गया था। जिसे पुलिस ने दो दिन बाद गांव के ही ट्यूबवेल के पास से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। बताया कि आरोपी मृतक पर एक अन्य मामले में समझौते का दबाव बना रहा था।

फांसी पर लटका मिला युवक का शव, मौके पर पहुंची पुलिस

उरई। कैलिया थाना क्षेत्र के ग्राम सुनाया गांव के बाहर शुक्रवार की सुबह पेड़ से लटका युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मामले की बारीकी से जांच पड़ताल कर शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

कैलिया थाना क्षेत्र के ग्राम सुनाया गांव के बाहर शुक्रवार की सुबह लोग मार्निंग वॉक पर निकले थे। जिन्होंने बबूल के पे? से लटकता शव देखा तो उनमें हड़कंप मच गया। देखते ही देखते मौके पर आसपास के ग्रामीण भी इकट्ठा हो गए और उन्होंने सूचना पुलिस को दी। सूचना पाकर मौके पर पहुंची थाना कैलिया पुलिस ने जानकारी ली और पे? से लटक रहे शव को कब्जे में लेकर उसकी पहचान करानी शुरू कर दी। पुलिस के कड़े प्रयासों के बाद मृतक की पहचान गांव के ही निवासी जितेन्द्र राजपूत 27 वर्ष के रूप में की गई। उधर खबर मिलते ही परिवार के लोग रोते बिलखते मौके पर पहुंच गए। इस संबंध में एसओ अतुल राजपूत ने कहा कि घटना की खबर मिलते ही वह फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे थे। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

संपादकीय

अकूत खनिज संपदा के बाद भी अफ्रीकी देश सबसे गरीब?

अफ्रीकी देश बुर्किना फासो के युवा सैन्य नेता इब्राहिम त्रारे ने एक ऐसा भाषण दिया है। जिसमे वैश्विक मीडिया और औपनिवेशिक सोच पर तीखा हमला किया गया है। 34 वर्षीय त्रारे ने पश्चिमी देशों पर आरोप लगाया है, उन्होंने अफ्रीका की गरीबी, संघर्ष और पिछड़ेपन की झूठी तस्वीर दुनिया के देशों में सालों तक प्रचारित की हैं। उन्होंने कहा कि अफ्रीका कोई भिखारी महाद्वीप नहीं है, बल्कि दुनिया को दुर्लभ खनिज, ऊर्जा संसाधनों को उपलब्ध कराने वाला विशाल आफ्रिकी महाद्वीप है। अफ्रीका सारी दुनिया को पोषित और विकसित करने वाला महाद्वीप है। सारी दुनिया अफ्रीका के खनिज संसाधनों का दोहन और उपयोग करती है। इसके बदले बड़े-बड़े पूंजीवादी देश अफ्रीका को गरीबी, भ्रष्टाचार और अशांति की ओर ले जाते हैं। त्रारे ने कहा अफ्रीका को मस्जिद नहीं, स्कूल चाहिये। उल्लेखनीय है अफ्रीका की 65 फीसदी मुस्लिम धर्म को मानती है। अफ्रीका को अब धार्मिक कट्टरता नहीं, शिक्षा और विकास चाहिए है। 200 मस्जिदे बनाए जाने के सऊदी अरब के प्रस्ताव को उन्होंने ठुकरा दिया। उन्होंने फ्रांस, ब्रिटेन, अमेरिका और चीन जैसी ताकतों की उन शोषण की रणनीतियों को उजागर किया।जिनसे अफ्रीका को आर्थिक रूप से लूटा जा रहा है। उन्होंने कोबाल्ट, प्लेटिनम, सोना, यूरेनियम जैसे खनिजों के उत्पादन में अफ्रीका के योगदान का उल्लेख करते हुए कहा, जिन क्षेत्रों से यह बहुमूल्य संपदा निकली जा रही है, उन क्षेत्रों में आज भी बिजली, शिक्षा और बुनियादी सुविधाएं नदारद हैं। उन स्थानों पर सबसे ज्यादा बदहाली और भुखमरी देखने को मिलती है। त्रारे के यह तेवर केवल एक क्रांतिकारी नेता की आवाज नहीं, बल्कि उस पूरे महाद्वीप की पीड़ा है। जिसे दशकों से जानबूझकर आर्थिक रूप से कमजोर और पश्चिमी देशों ने अपने ऊपर निर्भर बनाकर रखा है। उनका कहना है कि पश्चिमी मीडिया अफ्रीका की सफलताओं और वास्तिवक्ता को कवर नहीं करता। पश्चिमी देशों और पूंजीपतियों के इशारे पर शोषणकारी एजेंडा मीडिया चलाता है। अब इसको बेनकाब करने का समय आ गया है। इब्राहिम त्रारे की यह गर्जना सिर्फ अफ्रीका नहीं, पूरे ग्लोबल साउथ के लिए चेतावनी के रूप में है। त्रारे के यह तेवर उपनिवेशवाद के नए रूपों, मीडिया के दोहरे मानदंडों और वैश्विक आर्थिक अन्याय के खिलाफ एक निर्णायक लड़ाई की शुरुआत है। पश्चिमी देशों की इस लूट में अब चीन भी शामिल हो गया है। सबसे बहुमूल्य खनिज संपदा अफ्रीका महाद्वीप में है। अफ्रीकी देशों के नेताओं के साथ मिलकर अफ्रीका महाद्वीप की जनता का जो शोषण कई दशकों से स्थानीय नेताओं की मदद से हो रहा है। उसके खिलाफ इसे एक बगावत के रूप में देखा जा रहा है। अफ्रीकी देश बुर्किना फासो सैन्य अधिकारी है। उनकी यह बगावत ठीक वैसी ही है, जैसी महात्मा गांधी ने अफ्रीका मैं रहते हुए अंग्रेजों के खिलाफ बगावत का बिगुल बजाया था। वही बिगुल अब त्रारे ने अफ्रीकी महाद्वीप में बजा दिया है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय सहायता को ठुकराते हुए यहां तक कह दिया है। जब हम दुनिया की सबसे महंगी खनिज संपदा सारी दुनिया के देशों को देते हैं। ऐसी स्थिति में हमें अपनी बहुमूल्य संपदा का भुगतान चाहिए, वैश्विक कर्ज और दया की हमें आवश्यकता नहीं है। निश्चित रूप से अफ्रीका की जनता ने अब अपनी सोच को बदलना शुरू कर दिया है। अफ्रीकी देशों के नेताओं के भ्रष्टाचार और रिश्वतखोरी के खिलाफ भी वहां की जनता ने एक जंग शुरू कर दी है। सारी दुनिया में इसे पूंजीवादी व्यवस्था के खिलाफ एक नई लड़ाई के रूप में देखा जा रहा है। भविष्य में इसका व्यापक असर पड़ना तय है। इस लड़ाई में भारत की सहभागिता महत्वपूर्ण है। महात्मा गांधी के कारण अफ्रीकी देशों की जनता में भारत के प्रति बेहतर छबि है। इसका लाभ उठाने भारत को आगे आना होगा।

-सनत जैन

राज काज

महानगर पालिका पर कब्जा करेगा ठाकरे परिवार

उद्धव ठाकरे की शिवसेना इन दिनों मुंबई में काफी कमजोर स्थिति में है। ठाकरे परिवार हमेशा मुंबई महानगरपालिका में पूरी ताकत के साथ राज करता आया है। एकनाथ शिंदे ने शिवसेना की इस ताकत को तोड़ दिया है।एनसीपी इस बार भाजपा के साथ जाती हुई दिख रही है। अकेली शिवसेना उद्धव ठाकरे कमजोर है।ऐसी स्थिति में उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे को एक साथ एक मंच में लाने की कोशिश मुंबई में तेज हो गई है। मुंबई महानगर पालिका के चुनाव में दोनों ठाकरे बंधु मिलकर चुनाव लड़ेंगे? ठाकरे परिवार मुंबई मैं अपनी ताकत बनाए रखना चाहता है।सही मायने में महानगर पालिका के पार्षद ठाकरे परिवार की ताकत हैं। दोनों भाई इस बात को समझते हैं। एक बार फिर दोनों भाई साथ-साथ दिखेंगे।

राहुल गांधी, चुनाव आयोग और महाराष्ट्र सरकार?

नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी इन दिनों चुनाव आयोग को निशाने पर रखे हुए हैं। महाराष्ट्र के चुनाव में हुई गड़बड़ी राहुल गांधी की प्राथमिकता में है।जिसके कारण महाराष्ट्र सरकार संशय में है। हाई कोर्ट के जो आदेश हो रहे हैं। एक-एक करके चुनाव आयोग की जो कलई खुल रही है। उसने भाजपा और महाराष्ट्र सरकार की चिंता को बढ़ा दिया है। महाराष्ट्र की मैच फिक्सिंग को लेकर यदि हाईकोर्ट से कोई आदेश हो जाएंगे। चुनाव आयोग की गड़बड़ी पकड़ ली जाएगी। ऐसी स्थिति में महाराष्ट्र में बड़ा भूचाल आना तय है। इस बात की आशंका व्यक्त की जा रही है। महाराष्ट्र की राजनीति इन दिनों बड़ी तेज हो गई है।

भाजपा ने असम की सीट सहयोगी दल को दी

बीजेपी राज्यसभा में अपने सांसदों की संख्या बढाने में लगी हुई है। पहली बार असम में देखने को मिला, भाजपा ने अपनी सीट असम गढ़ परिषद को दे दी है। असम की राज्यसभा सीट असम गण परिषद का उम्मीदवार चुनाव लड़ेगा। आंध्र प्रदेश में भाजपा ने ठीक इसका उल्टा किया था। आंध्र प्रदेश से दो भाजपा के सदस्य मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू के सहयोग से राज्यसभा में प्राप्त किए थे। राज्यसभा चुनाव को लेकर एक बार फिर जोड-तोड़ शुरू हो गई है। असम में 126 सदस्यों वाली विधानसभा में भाजपा के 64 विधायक हैं।वह अपने दम पर अपना उम्मीदवार जिता सकती थी। उसके बाद भी आठ विधायकों वाली पार्टी के लिए भाजपा ने अपनी एक सीट कुर्बान कर दी है। जिसके कारण राजनीतिक हल्कों में इसे आश्चर्य के रूप में देखा जा रहा है।

तुर्कीए के बहिष्कार अभियान का क्या हुआ?

पहलगाम कांड के बाद पाकिस्तान के आतंकवादी ठिकानों पर भारत ने हमला किया था। तुरकिए ने पाकिस्तान की खुलकर मदद की थी। पाकिस्तान को तुर्कीए ने सैन्य मदद दी। जिसके कारण भारत में गुस्सा फैला, तुर्की का बहिष्कार अभियान शुरू किया गया। अभिनेता आमिर खान को देशद्रोही ठहराया जाने लगा।क्योंकि वह तुर्कीए के राष्ट्रपति से मिले थे। भारत के पर्यटकों ने वहां जाना बंद कर दिया था। अचानक यह अभियान थम गया। भारत के पर्यटक अब तुर्कीए जाने लगे हैं।भारत ने अपने निर्यात व्यापार के कारण बहिष्कार अभियान से अपने आपको दूर कर लिया। सरकार घोषणाएं बड़ी-बड़ी कर देती है। वह हवा हवाई होती हैं। कुछ समय के बाद लोग भूल जाते हैं। यही बहिष्कार का सच है।

भारत की सुरक्षा एवं मोदी सरकार

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी सरकार के 11 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी संकल्प से सिद्धि अभियान चला रही है। संपूर्ण देश में मोदी सरकार की सफलता पर प्रेस वार्ताएं, प्रदर्शनी, विचार संगोष्ठी, जनसभाएं एवं ग्राम स्तर पर चौपाल कार्यक्रमों का आयोजन हो रहा है। सोशल मीडिया द्वारा योजनाओं की जानकारी एवं अनेक प्रकार की प्रतियोगिताओं का आयोजन भी हो रहा है। गरीब कल्याण, ढांचागत विकास,अन्तर्वाह्य सुरक्षा, आर्थिक प्रगति, सांस्कृतिक उत्थान एवं विदेशों में बढ़ता भारतीय सम्मान सभी क्षेत्रों में ऐतिहासिक उपलब्धियां 11 वर्ष में प्रगति की गवाह है। भारत सहित विश्व की अनेक संस्थाओं एवं प्रमुख व्यक्तियों ने इस ऐतिहासिक सफलता की प्रशंसा की है। रक्षा क्षेत्र में भी इसी प्रकार की उपलब्धियां ऐतिहासिक है।

- शिवप्रकाश

चाणक्यनीति में कहा कि शस्त्रेण रक्षिते राष्ट्रे शास्त्र चिंता प्रवर्तते शास्त्रों की चर्चा भी तभी संभव है जब राष्ट्र सभी प्रकार से सुरक्षित हो। सिद्धांत कितना भी श्रेष्ठ हो उसकी सफलता उस सिद्धांत का अनुसरण करने वालों की शक्ति पर ही निर्भर करती है। इसी कारण विद्वानों ने शक्ति को ही शांति का आधार बताया है। राष्ट्रकवि श्री रामधारी सिंह दिनकर अपनी कविता क्षमा शोभती उस भुजंग को, जिसके पास गरल हो इस सिद्धांत को ही प्रतिपादित करते हैं।

भारतीय जनसंघ ने अपने 1964के पटना अधिवेशन में प्रस्ताव पारित करते हुए मांग की थी कि भारत को परमाणु बम बनाने के सभी प्रयत्न करने चाहिएँ। सिद्धांत एवं नीतियां नामक दस्तावेज में भी परमाणु अस्त्रों का निर्माण करने की बात की थी। प्रस्ताव प्रतिपादन करते समय कहा गया था कि हमारे आराध्य सभी देवी-देवता धर्म संस्थापना के लिये शस्त्रधारी है। इसलिए भारत माता भीपरमाणु बम धारी होनी चाहिए। इसी नीति का अनुसरण करते हुए श्री अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार ने 1999 में पोखरण परमाणु विस्फोट कर विश्व में भारत के सम्मान को बढ़ाने का कार्य किया था। 2014 में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की सरकार बनने के बाद देश अपने हितों की सुरक्षा करने में समर्थ बने इस प्रकार की नीति पर चला।आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीतिइसी का उदाहरण है। जहाँ कांग्रेस सरकार में आतंकियों के लिए जी जैसे सम्मानपूर्वक शब्दों का उपयोग एवं बिरयानी खिलाना जैसे उपक्रम चल रहे थे वहीं मोदी सरकार में सेना और सुरक्षा बलों को आतंक से लड़ने के लिए छूट एवं सुरक्षा बलों को आवश्यक सुरक्षा उपकरण उपलब्ध करवाये गए।

रक्षा क्षेत्र का बजट 2013-14 में 2.53 लाख करोड़ था अब 2025-26 के लिए वह बढ़कर 6.81 लाख करोड़ अर्थात तीन गुना से अधिक हो गया है। 2015 कैग रिपोर्ट के अनुसार भारतीय सेना के पास केवल 20 दिन का गोलाबारूद उपलब्ध था। व्यक्तिगत सैनिक स्तर पर, सैनिकों को अब स्वदेशी रूप से निर्मित उच्च गुणवत्ता वाली बुलेटप्रूफ जैकेट, उन्नत हेलमेट, नई बैटल ड्रेस यूनिफॉर्म, नाइट विजन डिवाइस और थर्मल इमेजर उपलब्ध करायी गई। मोदी सरकार के आने के बाद सेना के समन्वय के लिएलंबित मांग सीडीएस की नियुक्ति का निर्णय हुआ। ऑपरेशन सिन्दूर में तीनों सेनाओं के समन्वय में हमने इस निर्णय की भूमिका को अनुभव किया है। शस्त्रोंकी खरीद के लंबे समय से लंबित निर्णयों का भी शीघ्र निस्तारण होते हुए हम देख चुकेहैं। फ्रांस से आने वाले राफेल की खरीद इसी प्रक्रिया का परिणाम है।एस - 400 , सुखोई -30, इजराईल से ड्रोन, हैमर मिसाईल, चिनूक हेलिकॉप्टर, एलसीएच प्रचंड (लाइट कॉम्बैट हेलीकॉप्टर), तेजस फाइटर जेट (पूर्ण स्वदेशी विमान), पिनाका राकेट सिस्टम, वरुणास्त्र आदि की उपलब्धता के कारण भारतीय सेना विश्व की श्रेष्ठतम सेनाओं में गिनी जाती है। ऑपरेशन सिन्दूर में निर्धारित लक्ष्य पर मार एवं शत्रु के ड्रोन एवं मिसाईल को मार गिराने में हम सक्षम हुए है। 11 वर्ष के सफलतम कालखंड में केवल विदेशों से शस्त्र खरीद ही नहीं हमने स्वयं के आत्मनिर्भर होने के मंत्र को भी पहचाना है। अब हम भारत में उन्नत एवं आधुनिक स्वदेशी शस्त्रों का निर्माण भी कर रहे हैं। स्वदेशी विमान वाहक पोत आईएनएस विक्रांत का निर्माण, आकाश एयर डिफेंस सिस्टम, रुस्तम यूएवी ड्रोनसका डीआरडीओ द्वारा लखनऊ में निर्माण, रूस के साथ ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल,टाटा -डसाल्ट के साथ राफेल के मुख्य भाग का हैदराबाद में हम निर्माण करने वाले हैं। रक्षा उत्पादन में पिछले 10 वर्षों में 1।4 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। रक्षा उत्पादन 2014-15 में 46529 करोड़ की तुलना में 2023-24 में 12।265करोड़ हुआ है।

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह जी - 1। नवंबर 2021 (राष्ट्र रक्षा समर्पण पर्व, झांसी में) के अपने संबोधन में कहाँ कि -- भारत अपनी रणनीतिक व सुरक्षा आवश्यकताएँ अन्य देशों पर निर्भर होकर पूरा नहीं कर सकता ... सरकार निरंतर 'आत्मनिर्भर भारत' की दिशा में प्रयासरत है। रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की नीति के कारण अब हम खरीदने अर्थात आयात करने वाले देश नहीं हम बेचने वाले अर्थात निर्यात करने वाले देश बन गए हैं। 2004 से 2014 अर्थात 10 वर्षों में हमने 4312 करोड़ का निर्यात किया था। 2014 से 24 में 88,319 करोड़ का हुआ है। 2024 - 25 में केवल एक वर्ष में ही हमने 23622 करोड़ का निर्यात किया है। आयात में 21व़ की कमी करके 11 वर्षों में निर्यात में 34 प्रतिशत की वृद्धि करने में देर सक्षम हुआ है। आज हम लगभग 80 से अधिक देशों में रक्षा उत्पादों का निर्यात कर रहे हैं। ऑपरेशन सिंदूर में हमारे स्वदेशी शस्त्रों की सफलता को देखकर विश्व में हमारे शस्त्रों की मांग भी बढ़ गयी है।

देश को नक्सल मुक्त करने के मोदी सरकार के संकल्प ने देश के सामान्य नागरिको में सरकार के प्रति विश्वास जगाया है। नक्सली हिंसा में लिप्त आतंकी अपनी अंतिम सांस गिन रहे हैं। 2014 में नक्सल आतंकवाद से प्रभावित जिलों की संख्या 126 थी। 11 वर्षों बाद 2025 में वह संख्या मात्र 6 रह गई है। बड़े-बड़े इनामी नक्सली आतंकी मुठभेड़ में मारे गए हैं। सरकार के नक्सलमुक्त देश के संकल्प से लगता है कि भावी पीढ़ी नक्सलवाद नाम ही भूल जाएगी।

प्रत्येक प्रकार की गुलामी की मानसिकता से मुक्ति का उदाहरण प्रस्तुत करते हुए 2 सितंबर 2022 को कोच्चि में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय नौसेना के नए ध्वज का अनावरण किया, जिसमें औपनिवेशिक सेंट जॉर्ज क्रॉस को हटाकर छत्रपति शिवाजी महाराज की राजमुद्रा से प्रेरित अष्टकोणीय प्रतीक को स्थान दिया गया।इसमें अशोक स्तंभ, लंगर और नौसेना का आदर्श वाक्य शं नो वरुणःअंकित है, जो भारत की समुद्री विरासत और आत्मगौरव का प्रतीक है।नए भारत का संकल्प- घर में घुसकर आतंकियों को मारेंगे केवल कहना मात्र नहीं, सर्जिकल स्ट्राइक, एयर स्ट्राइक एवं ऑपरेशन सिंदूर में हमने यह करके दिखाया है। खून एवं पानी एक साथ नहीं बहेगा सिंधु नदी समझौता रद्द कर हमने आतंक के प्रति अपने दृष्टिकोण को विश्व के सामने स्पष्ट किया है। पूर्व सैनिको के कल्याण, अग्नि वीर योजना,विजयदशमी पर राफेल जैसे शस्त्रों का पूजन एवं दीपावली त्योहार में सैनिको के मध्य प्रधानमंत्री जी की उपस्थिति, सीमावर्ती सैनिक चौकियों पर रक्षामंत्री राजनाथ सिंह जी का प्रवास यह सभी उपक्रम हमारे सुरक्षित भारत के संकल्प को प्रकट करते हैं। ऑपरेशन सिंदूर के बाद की स्थिति, पाकिस्तान के आतंकी चेहरे को बेनकाब करने, आतंकवाद के प्रति भारत के दृष्टिकोण को विश्व के सम्मुख रखने के लिए सर्वदलीय प्रतिनिधिमण्डल देश की एकजुटता को प्रकट करने का कूटनीतिक सराहनीय प्रयास है।

सुविचार

हमे भूत के बारे में पछतावा नही करना चाहिए, ना ही भविष्य के बारे में चिंतित होना चाहिए, विवेकवान व्यक्ति हमेशा वर्तमान में जीते है।

-चाणक्य

हम सभी एक दुसरे की मदद करना चाहते है, मनुष्य ऐसे ही होते है, हम एक दुसरे के सुख के लिए जीना चाहते है दुःख के लिए नहीं।

-चार्ली चेपलिन

प्रसंग

सुखी व्यक्ति की खोज

चाँदपुर इलाके के राजा कुँवरसिंह जी बड़े अमीर थे। उन्हें किसी चीज की कमी नहीं थी, फिर भी उनका स्वास्थ्य अच्छा नहीं था। बीमारी के मारे वे सदा परेशान रहते थे। कई वैद्यों ने उनका इलाज किया, लेकिन उनको कुछ फ़ायदा नहीं हुआ। राजा की बीमारी बढ़ती गई। सारे नगर में यह बात फैल गई। तब एक बूढ़े ने राजा के पास आकर कहा, महाराज, आपकी बीमारी का इलाज करने की मुझे आज्ञा दीजिए। राजा से अनुमति पाकर वह बोला, आप किसी सुखी मनुष्य का कुरता पहनिए, अवश्य स्वस्थ हो जाएँगे।

बूढ़े की बात सुनकर सभी दरबारी हँसने लगे, लेकिन राजा ने सोचा, इतने इलाज किए हैं तो एक और सही। राजा के सेवकों ने सुखी मनुष्य की बहुत खोज की, लेकिन उन्हें कोई पूर्ण सुखी मनुष्य नहीं मिला। सभी लोगों को किसी न किसी बात का दुख था।

अब राजा स्वयं सुखी मनुष्य की खोज में निकल पड़े। बहुत तलाश के बाद वे एक खेत में जा पहुँचे। जेठ की धूर में एक किसान अपने काम में लगा हुआ था। राजा ने उससे पूछा, क्यों जी, तुम सुखी हो? किसान की आँखें चमक उठी, चेहरा मुस्करा उठा। वह बोला, ईश्वर की कृपा से मुझे कोई दुख नहीं है। यह सुनकर राजा का अंग-अंग मुस्करा उठा। उस किसान का कुरता माँगने के लिए यों ही उन्होंने उसके शरीर की ओर देखा, उन्हें मालूम हुआ कि किसान सिर्फ़ धोती पहने हुए है और उसकी सारी देह पसीने से तर है।

राजा समझ गया कि श्रम करने के कारण ही यह किसान सचा सुखी है। उन्होंने आराम-चैन छोड़कर परिश्रम करने का संकल्प किया।

थोड़े ही दिनों में राजा की बीमारी दूर हो गई।

जरा हटके

रात के समय भी कुछ योगासन हो सकते हैं फायदेमंद

नई दिल्ली (ईएमएस)। क्या आप जानते हैं कि रात के समय भी कुछ योगासन आपके लिए फायदेमंद हो सकते हैं। वज्रासन, सुप्त बद्ध कोणासन, सेतु बंधासन, शवासन और योग निद्रा जैसे आसन रात में करने से न केवल पाचन बेहतर होता है, बल्कि थकान, तनाव और मांसपेशियों की जकड़न भी कम होती है। जानकार बताते हैं कि रात में खाने के तुरंत बाद ऐसे योगासन नहीं करने चाहिए जो पेट पर दबाव डालें, क्योंकि इससे पाचन प्रक्रिया प्रभावित हो सकती है और एसिडिटी जैसी समस्याएं हो सकती हैं। खाने के कम से कम एक से दो घंटे बाद हल्के योगासन किए जा सकते हैं जो शरीर को आराम देते हैं और नींद में सुधार करते हैं। खासकर खाने के बाद केवल वज्रासन करना सही रहता है,

जबकि बाकी आसनों के लिए थोड़ी देर इंतजार करना जरूरी होता है।

वज्रासन में 5 से 10 मिनट बैठने से पाचन क्रिया में सुधार होता है और रक्त संचार सही रहता है। यह आसन जांघों और पैरों में रक्त प्रवाह को बढ़ाता है जिससे पाचन तंत्र को ऊर्जा मिलती है। सुप्त बद्ध कोणासन को बिस्तर पर लेटकर किया जाता है जिसमें पैरों को तितली की तरह खोलकर हल्की गति दी जाती है। यह तनाव कम करने, प्रजनन क्षमता बढ़ाने और पीसीओडी जैसी समस्याओं में भी लाभकारी होता है। सेतु बंधासन को सांस के साथ गतिशील रूप में करना चाहिए, जिसमें कूल्हों को ऊपर उठाया और नीचे लाया जाता है। इसे स्थिर नहीं रखना चाहिए ताकि पेट पर ज्यादा दबाव न पड़े।

यह आसन रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने, पाचन सुधारने और थायराइड के लिए फायदेमंद होता है। विशेषज्ञ 20 राउंड करने की सलाह देते हैं। शवासन में लेटकर योग निद्रा का अभ्यास किया जाता है, जो माइंडफुलनेस बढ़ाता है, डिप्रेशन कम करता है और एकाग्रता सुधारता है। 10-15 मिनट की योग निद्रा तनाव और चिंता को दूर करने में मददगार होती है। इसके बाद भ्रामरी, अनुलोम-विलोम या ओम के प्राणायाम से मानसिक शांति मिलती है और नींद बेहतर होती है।

फोटो ऑफ द डे

अस्ट्रिया के एक स्कूल में गोलीबारी में मारे गये लोगों की याद में राष्ट्रपति एलेकजेंडर वेन और उनकी पत्नी डोरिस मोमबत्तीयां जलाते हुए। (फोटो-ईएमएस)

व्यंग्य

मेरी आत्म व्यथा

-वीरेन्द्र सरल

समीक्षा लिखने की कला तो मुझे आती ही नहीं है पर आजकल पाठकीय प्रतिक्रिया देने को अभिशप्त हो गया हूँ। किसी की किताब पढ़ी नहीं कि मन प्रतिक्रिया देने को ललचाने लगता है। विचार आता है क्या पता इसी चक्कर में कुछ अच्छा लिख जाऊं और अंधे के हाथ बटेर लगने का मेरा स्वप्न साकार हो जाये। मेरी लिखी प्रतिक्रियाओं को पाठक पुस्तक समीक्षा समझते हैं। उनकी खुशी में ही मेरी खुशी है । जोश में होश खोकर अब मैं भी अपनी प्रतिक्रियाओं को समीक्षा समझने लगा हूँ। मैंने जिसकी भी किताब की समीक्षा एक बार लिखी, उनकी हिम्मत मुझे दोबारा किताब भेजने की नहीं हुई। यही मेरी समीक्षा लेखन का प्रतिफल और प्रसाद है। पर मैं उन लेखकों का क्या कहूँ, जिनका पाला आज तक एक बार भी मुझसे नहीं पड़ा है। वे तो मुझे कुख्यात समीक्षक ही समझते हैं। उनको लगता है कि मैं दिन दहाड़े किसी भी किताब की समीक्षा लिख सकता हूँ। लिख सकता हूँ ये तो सही है पर दिन दहाड़े लिखने की मेरी हिम्मत नहीं है। लुक छिपकर किताब की भूमिका और अपनी बात से कुछ वाक्यों को उठाकर, उसे तोड़ मरोड़ कर और उसी में प्रशंसा के अपने दो चार वाक्य मिलाकर समीक्षा लिख लेना अलग बात है लेकिन पूरी किताब पढ़ कर समीक्षा लिखने से तो नानी याद आने लगती है। नानी यादों में आकर कहती है कि बस कर पगले, बड़ा समीक्षक बना फिरता है। पहले अपनी ही किताब की किसी बड़े लेखक से ढंग की समीक्षा लिखा के तो दिखा। जब ढंग से समीक्षा होगी तो तुझे नानी के साथ नाना जी भी याद आने लगेंगे, समझा? यादों में ही सही पर नानी मेरी दुखती रग पर हाथ रख देती है। जो भी हो समीक्षक के रूप में मेरा विज्ञापन तो हो ही चुका है और आत्ममुग्ध होकर मैं धड़ल्ले से समीक्षा लिखे जा रहा हूँ । पता नहीं क्यों किसी परिचित और महिला लेखकों के किताबों पर लिखते समय मेरे मन में बहुत अच्छे -अच्छे विचार सूझते हैं और प्रशंसा में कसीदे गढ़ने की मेरी बुद्धि एकदम सक्रिय हो जाती है। मेरी कलम बिना थके बिना रुके नॉनस्टॉप चलकर लम्बी चौड़ी समीक्षा लिख मारती है। मगर जैसे ही किसी अपरिचित पुरुष लेखक की किताब हाथ लगती है तो सारा मजा किरकिरा हो जाता है, एक लाइन लिखने में भी पसीना निकलने लगता है और समीक्षा लिखना घाटे का सौदा लगने लगता है। जो भी हो पर जमे जमाये धंधे पर लात मारना मूर्खता ही कही जाएगी सो अपना धंधा तो चल ही रहा है। ये अलग बात है कि जिन लेखकों की कृति की मैंने प्रशंसा की वे तो मेरे मुरीद हो गए पर जिसकी कमियां गिना दी वे लठ्ठ लेकर पीछे पड़ गए। इन दो पहलूओं के अतिरिक्त एक तीसरा पहलू भी है यह मुझे अभी दो चार दिन पहले पता चला । हुआ कुछ यूं कि मैं अपने शहर के चौक से पैदल गुजर रहा था कि पीछे से किसी की आवाज आई-÷ ओऐ! समीक्षक जी, एक लेखक को पीछे लगे देख क्यों सरपट भागे जा रहे हो? मैं लौटकर देखा, कोई अपरचित था। वह नजदीक आकर बोला- अभी के अभी फटाफट हमारे लिए एक समीक्षा लिख मारिए।

मैंने पूछा - पर आपकी किताब कहाँ है?

जवाब मिला- अभी हमने अपनी किताब लिखी ही कहाँ है। सोचा पहले समीक्षा ही लिखवा लें ताकि बाद में कोई झमेला न रहे।

चिंतन-मनन

कर्म से बना है वर्ण

मेरे द्वारा चार वर्णों की रचना गुण और कर्मों के हिसाब से की जाती है, फिर भी तू मुझे कभी न खत्म होना वाला और कर्मों के बंधन से मुक्ति ही जान ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य और शूद्र ये चार वर्ण हैं, अब ऐसा मान लेते हैं कि जो जिस घर में जन्म लेता है, वह उसी वर्ण का कहलाता है। जबकि वर्ण व्यवस्था गुण और कर्म के आधार पर शुरू हुई थी। पहले जब बच्चे को पढ़ाई के लिए गुरुकुल भेजा जाता था, तब तक वह किसी वर्ण का नहीं कहलाता था। वहां गुरु अपने शिष्यों की रुचि को जानकर उसके हिसाब से उन्हें पढ़ाते थे।

वेदों को पढ़ने में रुचि लेने वालों को ब्राह्मण, युद्ध कला में महारथी को क्षत्रिय, व्यापार में रुचि वाले को वैश्य और सेवा भाव वाले को शूद्र की उपाधि दी जाती थी। इसके बाद वे समाज में उसी के हिसाब से काम करते थे। यही भगवान कह रहे हैं कि मैंने गुणों और कर्मों के आधार पर चार वर्णों की रचना की हैं, जिससे सभी मनुष्य कर्मों में लगे रहें। ये सब करते हुए भी तुम मुझे कभी न खत्म होने वाला और कुछ न करने वाला जानो। सब कुछ करते हुए भी भगवान कह रहे हैं कि मैं कुछ भी नहीं करता।

रोचक

भेड़ की आंत से बना 200 साल पुराना कंडोम कोठे से मिला

पेरिस(ईएमएस)। पैरिस जैसे शहर में देह व्यापार की काफी चमक-दमक थी। ऐसे में ग्राहकों को लग्जरी के तौर पर यह कंडोम दिया जाता था। इस कंडोम की एक और खास बात है कि इस पर एक तस्वीर छपी है। इस तस्वीर में एक अर्द्धनग्न महिलाएं खड़ी है। वहीं कंडोम पर लिखा है, वोयला मॉन चॉयस। इसका अर्थ है, यह मेरी मर्जी है। रिपोर्ट में बताया गया कि इस कंडोम पर बनी तस्वीर एक ग्रीक माइथोलोजी से प्रेरित है। 19वीं सदी में हाल यह था कि कंडोम को बेहद बुरा माना जाता था। हालांकि कोठें में इसका इस्तेमाल छिपकर किया जाता था। इस कंडोम की लंबाई करीब 20 सेंटीमीटर है। जानकर हैरानी होगी कि कंडोम का इस्तेमाल आज से 200 साल या फिर उससे भी पहले होता था। एम्सटर्डम के रिक्सम्यूजियम में जब 1830 के आसपास के एक प्रिंटेड कंडोम को रखा गया तो देखने वालों को तांता लग गया। लोग इस 200 साल पुराने कंडोम की कहानी भी जानना चाहते थे। दरअसल यह कंडोम किसी लग्जरी फ्रेंच कोठे से पाया गया था। रिपोर्ट में बताया गया कि इसे भेड़ की आंत से तैयार किया गया था। इतने साल बीत जाने के बाद भी यह खराब नहीं हुआ। रिपोर्ट में बताया गया कि बीते साल नीदरलैंड्स के हारलेम शहर में नीलामी के दौरान इस कंडोम को 1000 यूरो यानी करीब 90 हजार रुपये में खरीदा गया था।

न्यूक्लियर साइट्स और कमांडरों पर निशाना साधने का मकसद रिंग ऑफ फायर का जवाब था: नेतन्याहू

यरूशलम। इजरायली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने बताया है कि यह ईरान के रिंग ऑफ फायर के जवाब में किया गया हमला है। इजरायल ने ईरान के 'रिंग ऑफ फायर' रणनीति के जवाब में शुक्रवार तड़के 'ऑपरेशन राइजिंग लायन' छेड़ दिया। यह इजरायल का अब तक का सबसे तगड़ा जवाब है, जिसने ईरान के परमाणु सपनों को चकनाचूर करने का बीड़ा उठाया है। शुक्रवार तड़के एक वीडियो संदेश में नेतन्याहू ने कहा, दशकों से तेहरान के तानाशाह इजरायल को मिटाने की धमकी दे रहे हैं। उन्होंने नौ परमाणु बम बनाने लायक यूरेनियम जमा कर लिया है। हाल के महीनों में ईरान ने हथियार बनाने की रफ्तार बढ़ा दी है। अगर इसे अभी नहीं रोका गया, तो वह कुछ ही महीनों में परमाणु बम बना लेगा। यह इजरायल के लिए जिंदगी-मौत का सवाल है। हम चुप नहीं बैठेंगे।

प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने बताया कि उसने ईरान के परमाणु कार्यक्रम के दिल पर सीधा वार किया है। ईरान के नतांज में स्थित मुख्य न्यूक्लियर प्रोलिफरेशन फैसिलिटी को तबाह कर दिया गया, साथ ही ईरान के बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम और परमाणु हथियार बनाने वाले टॉप वैज्ञानिकों को भी हमले में मार दिया गया है।

नेतन्याहू ने जोर देकर कहा, 'हमने नाजी नरसंहार से सबक लिया है। हम ईरान जैसे दुश्मन को हमें तबाह करने का मौका नहीं देंगे। आज रात इजरायल ने अपने वादे को हकीकत में बदला। हमने नतांज में ईरान के परमाणु संवर्धन ठिकाने को उड़ा दिया। हमने उनके परमाणु हथियार कार्यक्रम को जड़ से हिला दिया। उनके मिसाइल कार्यक्रम को भी बर्बाद कर दिया। ईरान की 'रिंग ऑफ फायर' एक खतरनाक रणनीति है, जिसके तहत वह लेबनान में हिजबुल्लाह, गाजा में हमास, यमन में हूती विद्रोहियों और सीरिया-इराक में शिया मिलिशिया के जरिए इजरायल को चारों तरफ से घेरने की कोशिश करता है। इस रणनीति का मकसद इजरायल पर लगातार हमले करके उसे कमजोर करना उसकी सुरक्षा को चुनौती देना और क्षेत्र में ईरान का दबदबा कायम करना है। परमाणु हथियारों और बैलिस्टिक मिसाइलों के कारण यह 'रिंग ऑफ फायर' इजरायल के लिए बड़ा खतरा बन गया है। इजरायल के खिलाफ प्रॉक्सी ग्रुप्स को ईरान हथियार देता है। यही कारण है कि ऑपरेशन राइजिंग लायन इजरायल के लिए बड़ी कामयाबी है। उसने इसमें ईरान के प्रमुख ठिकानों को नुकसान पहुंचाया, जिससे ईरान के प्रॉक्सी कमजोर होंगे।

यूक्रेन में रुस के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए युद्धबंदियों के परिजन। ये लोग अपने परिजनों के पोट्रेट के साथ प्रदर्शन में उतरे।

इजरायल द्वारा किए गए ईरान पर हमले में अमेरिका शामिल नहीं : रुबियो

तेल अवीव। ईरान के परमाणु ठिकानों पर इजरायल ने बड़ा हमला किया है। फिलहाल, यह साफ नहीं है कि स्ट्राइक किन स्थानों पर की गई है। खबर है कि इजरायली वायुसेना ने राजधानी तेहरान में कई जगहों पर एयर स्ट्राइक की है। इधर, अमेरिका के अधिकारियों ने साफ किया है कि इस हमले में अमेरिका का कोई हाथ नहीं है। खास बात है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने आशंका जताई थी इजरायल, ईरान पर हमला कर सकता है।

अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने कहा कि इजरायल के ऐक्शन में अमेरिका शामिल नहीं है। साथ ही उन्होंने तेहरान से अपील की है कि क्षेत्र में अमेरिकी हितों या कर्मियों को निशाना ना बनाया जाए। उन्होंने कहा, आज इजरायल ने ईरान के खिलाफ एक तरफा कार्रवाई की है। हम ईरान के खिलाफ हुई स्ट्राइक्स में शामिल नहीं हैं और हमारी प्राथमिकता क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी बलों

को अमेरिकी हितों या कर्मियों को निशाना नहीं बनाना चाहिए। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को कहा कि ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर उस पर इजरायल का हमला हो सकता है। ट्रंप ने अमेरिका के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय 'व्हाइट हाउस' में संवाददाताओं से कहा, मैं यह नहीं कहना चाहता कि यह आसान है, लेकिन ऐसा लगता है कि यह हो सकता है। ट्रंप ने चिंता जताई कि अगर ईरान समझौते पर बातचीत नहीं करता है, तो पश्चिम एशिया में बड़े पैमाने पर संघर्ष छिड़ सकता है। उन्होंने कहा कि वह ईरान से समझौता करने का आग्रह करते रहेंगे।

की सुरक्षा करना है। उन्होंने कहा, यह साफतौर पर बता देना चाहता हूं कि ईरान

ईरान ने इजराइली पर 100 से ज्यादा ड्रोन से किया हमला

तेहरान। ईरान ने तेहरान में हुए इज़राइल हवाई हमलों के जवाब में 100 से ज्यादा ड्रोन से हमला किया है। यह जानकारी इज़राइली सेना ने दी। इज़राइल के सेना प्रवक्ता ने इस ड्रोन हमले की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि सभी इज़राइली सुरक्षा प्रणालियां सक्रिय हैं और इन खतरों को रोकने का काम कर रही हैं।

इस टकराव की वजह से पूरे मिडिल ईस्ट में हवाई यातायात पर असर पड़ा है। जॉर्डन की सिविल एविएशन अथॉरिटी ने सुरक्षा कारणों से अपना हवाई क्षेत्र बंद कर दिया है। अन्य आस-पास के देश भी हालात पर नज़र रख रहे हैं। इससे पहले इज़राइल ने ईरान पर हवाई हमला किया था। यह हमला ईरान के परमाणु कार्यक्रम और इज़राइल की सुरक्षा को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच हुआ था।

इस हमले में ईरान की रेवोल्यूशनरी गार्ड के प्रमुख जनरल हुसैन सलामी की मौत हो गई थी। सलामी ईरान के एक ताकतवर और सख्त नेता माने जाते थे, जो अमेरिका और इज़राइल के खिलाफ कड़ा रुख रखते थे। इज़राइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि यह हमला ईरान के खतरे को खत्म करने के लिए एक लक्षित सैन्य अभियान है। उन्होंने कहा कि यह ऑपरेशन तब तक चलेगा जब तक हम इज़राइल के खिलाफ खतरे को पूरी तरह खत्म नहीं कर देते।

इज़राइल के रक्षा मंत्री ने भी इस हमले की पुष्टि करते हुए इसे पहले से किया गया हमला बताया, जिससे इज़राइल को होने वाले खतरे को पहले ही खत्म किया जा सके। इसके साथ ही उन्होंने पूरे देश में आपातकाल घोषणा कर दिया है ताकि नागरिकों की सुरक्षा तय की जा सके।

अहमदाबाद दुर्घटना की जांच करने के लिए ब्रिटेन ने भेजा जांच दल

लंदन। ब्रिटेन के पीएम केअर स्टार्मर ने अहमदाबाद विमान हादसे के बाद कहा है कि लंदन आ रही एअर इंडिया के विमान के अहमदाबाद में दुर्घटनाग्रस्त हो जाने के बाद हादसे की जांच के लिए ब्रिटेन का एक दल भारत भेजा गया है। इससे कुछ देर पहले असैन्य विमान दुर्घटनाओं और गंभीर घटनाओं की जांच करने वाली एक ब्रिटिश एजेंसी ने कहा कि वह दुर्घटना की भारतीय नेतृत्व वाली जांच में सहयोग के लिए एक बहु-विषयक जांच दल भारत में तैनात करेगी। हवाई दुर्घटना जांच शाखा (एएआईबी) ने कहा कि उसने भारत में विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो को अपनी मदद की पेशकश की है। स्टॉर्मर ने कहा कि जांच जारी है, हमने एक जांच दल भेजा है, उसे तैनात कर दिया गया है।

आज का इतिहास 14 जून

1905 शास्त्रीय संगीत की साधिका हीरा बाई बरोड़कर का जन्म हुआ.
1940 द्वितीय विश्व युद्ध में जर्मन सैनिकों ने पेरिस पर अधिकार किया था.
1941 अमरीका ने अपने यहाँ इटली और जर्मनी की संपत्तियों को जब्त कर लिया.
1948 बर्मा स्वतंत्रत हुआ.
1949 वियतनाम की स्थापना हुई.
1962 यूरोपीय अंतरिक्ष अनुसंधान केंद्र की स्थापना पेरिस में हुई.
1964 पश्चिम पाकिस्तान में बाढ़ और तूफान से 250 लोगों की मौत हुई.
1975 सोवियत संघ ने शुक्र ग्रह के रहस्यों की खोज के लिए अंतरिक्षयान का प्रक्षेपण किया.
1989 चीन ने कई पत्रकारों को अपने यहाँ से निष्कासित करके अमरीका को हस्तक्षेप न करने की चेतावनी दी.
1993 कंबोडिया में राजकुमार सिंहनुक की प्रशासनाध्यक्ष के रूप में बहाल हुए.
1994 इराक ने किसानों को खाद्यान्न सरकार को नहीं बेचने पर सजा देने की चेतावनी दी.
1998 बिहार के पूर्णिया में विधायक व माकपा के नेता अजीत सरकार की हत्या.
1999 भारतीय विदेशमंत्री जसवंत सिंह चीन यात्रा पर.
2000 गुजरात के गृहमंत्री हरेन पंड्या ने त्यागपत्र दिया.
2002 अंटार्टिक में 108 वैज्ञानिक व चालक दल बर्फ में फंसे.

प्रसंगतः आंखें होते हुए भी अंधा

एक आदमी कहीं जा रहा था. उसे वहां पहुंचने की जल्दी थी. इसलिए बड़ी तेजी से आगे बढ़ रहा था. सोच रहा था कि समय पर वहां पहुंच नहीं पायगा और उसका जाना बेकार हो जायगा. वह अपने विचारों में खोया था. अचानक उसे किसी चीज की ठोकर लगी, उसका संतुलन बिगड़ गया और वह गिर पड़ा. निगाह उठाकर उसने देखा, एक खोपड़ी पड़ी थी. उस आदमी को बड़ा गुस्सा आया. देर हो जाने से वैसे ही उसका मन खिन्न हो रहा था. अब गिर जाने से उसके पैर में चोट आ गई और चलना उसके लिए मुश्किल हो गया. उसने दांत पीसते हुए कहा, "अरी, दुष्ट, सताने के लिए क्या मैं ही रह गया था?" उसी समय कहीं से आवाज आई, "अरे ओ नादान, तू इसे क्यों दोष दे रहा है? क्यों इस पर क्रोधित हो रहा है? इसके तो आंखें नहीं हैं, जो तुझे देख लेतीं, लेकिन तेरे तो आंखें हैं? तू ही बता कि जिसकी आंखें हैं, उसको देखना चाहिए, या जिसके आंखें नहीं हैं, उसे?"

दैनिक पंचांग

14 जून 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृष में	मिथुन	05.22 बजे से
चंद्र	मकर में	कर्क	07.36 बजे से
मंगल	सिंह में	सिंह	09.52 बजे से
बुध	मिथुन में	कन्या	12.04 बजे से
गुरु	मिथुन में	तुला	14.14 बजे से
शुक्र	मेष में	वृश्चिक	16.29 ब.से
शनि	मीन में	धनु	18.45 बजे से
राहु	कुंभ में	मकर	20.50 बजे से
केतु	सिंह में	कुंभ	22.37 बजे से
राहुकाल		मीन	00.09 बजे से
9.00 से 10.30 बजे तक		मेष	01.40 बजे से
		वृष	03.20 बजे से

शनिवार 2025 वर्ष का 165 वा दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** आषाढ़ (दक्षिण भारत में ज्येष्ठ) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** तृतीया 15.47 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** उत्तराषाढ़ा 00.22 बजे रात्र को समाप्त। **योग** ब्रह्म 13.13 बजे को समाप्त। **करण** विष्टि 15.47 बजे तदनन्तर बव 03.53 बजे रात्र को समाप्त।

चन्द्रायु 17.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 23° 16'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872375
जूलियन दिन 2460840.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना जिल्हेज **तारीख** 17
विशेष संकष्टी चतुर्थी।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
काल	05.55	से 07.23	बजे तक	लाभ	05.37	से 07.10	बजे तक
शुभ	07.23	से 08.51	बजे तक	उद्वेग	07.10	से 08.42	बजे तक
रोग	08.51	से 10.19	बजे तक	शुभ	08.42	से 10.14	बजे तक
उद्वेग	10.19	से 11.46	बजे तक	अमृत	10.14	से 11.47	बजे तक
चर	11.46	से 01.14	बजे तक	चर	11.47	से 01.19	बजे तक
लाभ	01.14	से 02.42	बजे तक	रोग	01.19	से 02.51	बजे तक
अमृत	02.42	से 04.10	बजे तक	काल	02.51	से 04.23	बजे तक
काल	04.10	से 05.37	बजे तक	लाभ	04.23	से 05.56	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

राशिफल

शुभ संवत 2082, शाके 1947, सौम्य गोष्ठ, आषाढ़ कृष्ण पक्ष, ग्रीष्म ऋतु, गुरु उदय अस्त, पश्चिमे शुक्रोदय पूर्वे तिथी तीज, शनिवार उ.षा. नक्षत्रे, शुभ योगे, गर करणे, मकर की चंद्रमा, भद्रा 22/25 श्री गणेश चौथ व्रत, चंद्रोदय रात्रि 9/36 तथापि दक्षिण दिशा की यात्रा शुभ तथा उत्तम होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल.....

आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, कुशल वक्ता-अधिवक्ता, शासक-प्रशासक, उत्तम व्यापारी, शिक्षक-शिक्षाविद्, शिक्षाशास्त्री, लेक्चरार, प्रोफेसर, प्रिन्सपाल, उत्तम कार्यकर्ता, लेखक-लेखापाल, लिपिक, वैसरियर, प्रबंधक तथा उद्योगपति, राजनेता, विधायक, मंत्री होगा।

मेष राशिः कार्य-कुशलता एवं समृद्धि के योग फलप्रद होंगे, रुके कार्य बन जायेंगे।

वृष राशिः कार्य तत्परता से लाभ एवं इष्ट मित्र सुखवर्धक अवश्य ही होंगे।

मिथुन राशिः व्यवसायिक क्षमता में वृद्धि, कार्यकुशलता से संतोष, बिगड़े कार्य बनेंगे।

कर्क राशिः सोच-समझकर शांति बनाये रखें अन्यथा कुछ विभ्रम, विकार, क्लेश होगा।

सिंह राशिः समय की अनुकूलता से विशेष कार्य की वृद्धि करें, लेनदेन मध्यम होगा।

कन्या राशिः मानसिक विभ्रम, किसी अरोप में फंस सकते हैं, अर्थ के कार्य बन जायेंगे।

तुला राशिः भाग्य का सितारा प्रबल हो, बिगड़े कार्य बनेंगे तथा कार्य संतोष होगा।

वृश्चिक राशिः कार्य-कुशलता से संतोष, योजनाएं फलीभूत अवश्य ही होंगी।

धनु राशिः सफलता के साधन जुटायें, धन लाभ, आचानक सफलता का हर्ष होगा।

मकर राशिः आरोप व क्लेश, असमंजस, धन लाभ, आशानुकूल सफलता का हर्ष होगा।

कुंभ राशिः इष्ट मित्र सुखवर्धक हो, स्त्री शरीर कष्ट, चिन्ता असमंजस में रखें।

मीन राशिः इष्ट मित्र सहायक रहें, दैनिक कार्यगति में अनुकूलता आयेगी।

पीएल गौतमाचार्य // मोनिका

इजराइल हमले के बाद ईरान ने किया एयरस्पेस बंद, भारत पर पड़ा सीधा असर

कई उड़ानों को किया डायवर्ट तो कुछ को वापस बुलाया, यात्रियों की परेशानी बढ़ी

नई दिल्ली। ईरान पर इजराइल ने बड़ा हमला किया है। शुक्रवार सुबह ईरान में इजराइल के हमलों के साथ हुई और कई परमाणु ठिकानों को टारगेट किया गया। यह जंग और बढ़ने के आसार हैं और इसके चलते सुरक्षा के लिहाज से ईरान ने अपना एयरस्पेस बंद कर दिया है। ईरान के एयरस्पेस बंद करने का सीधा असर भारत पर हुआ। अमेरिका, यूरोप समेत कई देशों के लिए जाने वाली भारतीय उड़ानों पर इसका असर दिखा है। एयर इंडिया ने अपनी कई उड़ानों को डायवर्ट किया है तो कुछ को उन्हीं एयरपोर्ट्स पर वापस बुलाया गया है, जहां से वे रवाना हुई थीं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एयर इंडिया ने एक्स पर जानकारी दी है, उसके ज्यादातर फ्लाइट्स को वापस बुलाया गया है, जो भारत के किसी शहर से रवाना हुई थीं। वहीं ऐसी उड़ानों को डायवर्ट किया है, जो भारत आ रही थीं जैसे लंदन से मुंबई आ रही फ्लाइट को अब विएना के रास्ते भारत आना होगा। न्यूयॉर्क से दिल्ली आ रही उड़ान अब शारजाह के रास्ते से आएगी। इसी तरह न्यूयॉर्क से मुंबई जाने वाली फ्लाइट अब जेद्दाह के रास्ते आएगी। लंदन से दिल्ली आ रही फ्लाइट को मुंबई के लिए डाइवर्ट किया गया है। वहीं मुंबई से लंदन रवाना हुई फ्लाइट को वापस बुला लिया गया है। दिल्ली से वॉशिंगटन के लिए आज ही उड़ान भरने वाली फ्लाइट वापस दिल्ली आ रही है।

दिल्ली से नेवार्क जाने वाली फ्लाइट वापस लौट रही है। वैंकुवर से दिल्ली की फ्लाइट को जेद्दाह के रास्ते लाया जाएगा। शिकागो से दिल्ली आने वाली फ्लाइट भी जेद्दाह से भारत आएगी। एक संकट यह भी है कि पाकिस्तान के साथ पहले ही तनाव के चलते भारतीय विमान उसके आसमान से नहीं गुजर रहे हैं। अब ईरान का भी एयरस्पेस बंद है। ऐसे में विमानों को अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए लंबी यात्रा तय करनी पड़ रही है। इससे ट्रैवल टाइम बढ़ा है तो वहीं खर्च में भी इजाफा हुआ है।

अमेरिका की अपीलीय अदालत ने 'नेशनल गार्ड' को हटाने के आदेश पर लगाई रोक

वाशिंगटन। अमेरिका की अपीलीय अदालत ने एक संघीय न्यायाधीश के उस आदेश पर अस्थायी रोक लगा दी है जिसमें राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को कैलिफोर्निया से 'नेशनल गार्ड' के जवानों को हटाने का निर्देश दिया गया था। ट्रंप ने आव्रजन छापों के विरोध में लॉस एंजिलिस में हुए प्रदर्शनों के बाद जवानों को कैलिफोर्निया में तैनात किया था।

अदालत ने कहा कि वह इस मामले पर 17 जून को सुनवाई करेगी। गुरुवार रात का यह फैसला संघीय न्यायाधीश के उस आदेश के कुछ ही घंटों बाद आया जो शुक्रवार दोपहर से प्रभावी होना था। न्यायाधीश ने फैसला सुनाया कि सेना की तैनाती अवैध है और दसवें संशोधन और ट्रंप के वैधानिक अधिकार का उल्लंघन है। यह आदेश केवल 'नेशनल गार्ड' के जवानों पर लागू होता है, नौसेना पर नहीं जिन्हें लॉस एंजिलिस के विरोध प्रदर्शनों के दौरान तैनात किया गया था।

न्यायाधीश ने कहा कि वह नौसेना पर कोई फैसला नहीं सुनाएंगे क्योंकि उन्होंने अभी मोर्चा नहीं संभाला है। वहीं आव्रजन छापों के खिलाफ पूरे अमेरिका में प्रदर्शन हो रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

तीन वारंटी सहित आधा दर्जन को किया गिरफ्तार

बांदा। पुलिस अधीक्षक पलाश बंसल के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों पर नियंत्रण लगाये जाने तथा वारंटी अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में बांदा पुलिस द्वारा 03 वारन्टी अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया । महिला थाना द्वारा 02 वारंटी, थाना जसपुरा पुलिस द्वारा 01 वारंटी अभियुक्त तथा थाना गिरवां पुलिस द्वारा निरोधात्मक कार्यवाही करते हुए गिरफ्तार 03 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर सम्बन्धित मा0 न्यायालय किया गया पेश ।महिला थाना पुलिस द्वारा गिरफ्तार वारंटियो में नीरज सोनी पुत्र रामआसरे निवासी गणेशगंज थाना कोतवाली कटरा जनपद मीरजापुर, दीपक सोनी रामआसरे निवासी गणेशगंज थाना कोतवाली कटरा जनपद मीरजापुर व थाना जसपुरा पुलिस द्वारा गिरफ्तार वारंटी में रामसेवक पुत्र रघनंदन निवासी कुण्डाडोल थाना जसपुरा जनपद बांदा है। जबकि थाना गिरवां पुलिस द्वारा निरोधात्मक कार्यवाही करते हुए गिरफ्तार अभियुक्तों में सोनू उर्फ प्रदीप कुमार श्रीवास्तव पुत्र युगुलकिशोर निवासी सरस्वाह थाना गिरवां जनपद बांदा,देवीशरण पुत्र मेहसुरा बर्मा निवासी सरस्वाह थाना गिरवां जनपद बांदा व जमुना पुत्र चुन्नी वर्मा निवासी दुर्गापुर थाना गिरवां जनपद बांदा शामिल है।

मत्स्य बीज बैंक की स्थापना के लिए मिलेगा अनुदान

बांदा। सहायक निदेशक मत्स्य बांदा ने बताया है कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में मुख्यमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना जनसामान्य को आच्छादित करने के लिए इस योजना के अन्तर्गत मनरेगा कन्वर्जेस अथवा पट्टटाधारक द्वारा स्वयं अथवा अन्य विभागों के माध्यम से सुधारे गये ग्रामसभा व अन्य पट्टटे के तालाबों में प्रथम वर्ष निवेश एंव मत्स्य बीज बैंक की स्थापना हेतु अनुदान उपलब्ध कराया जायेगा। उक्त योजना हेतु जनपद की सीमान्तर्गत आवेदक स्वयं तालाब का पट्टटाधारक एंव बैंक खाता धारक होना चाहिये। तालाब के पट्टटे की अवधि न्यूनतम 4 वर्ष अवशेष हो। योजना का लाभ उठाने हेतु आवेदक 16 जून से 30 जून 2025 तक विभागीय पोर्टल पर आवेदन कर सकते है। आवेदन के साथ अपना फोटो, शासकीय पहचान पत्र, आधार कार्ड, स्वहस्ताक्षरित शपथ पत्र एंव अन्य वांछित अभिलेख अपलोड करना अनिवार्य होगा। समस्त वर्गों को अधिकतम 2.0 हैक्टेयर तक परियोजना लागत रू0 4.00 लाख प्रति हैक्टेयर का 40 प्रतिशत अनुदान अनुमन्य है तथा शेष 60 प्रतिशत लाभार्थी स्वयं लाभार्थी अंश के रूप में वहन करेंगा। अधिक जानकारी के लिए कार्यालय सहायक निदेशक मत्स्य, विकास भवन बाँदा से किसी भी कार्य दिवस में संपर्क किया जा सकता है। जनपदीय संपर्क सूत्र 9415737824, 9450424002 है।

छोटी बाजार का डाकघर का राउटर सिस्टम खराब

चालू कराए जाने की मांग

बांदा। शहर के अंतर्गत छोटी बाजार झंडा चौराहा का डाकघर विगत एक सप्ताह से भी अधिक दिनों से बंद चल रहा है। स्वतंत्र रावत रीडर न्यायालय जिला उपभोक्ता संरक्षण आयोग भदोही में कार्यरत खिन्नी नाका छोटी बाजार ने बताया कि कारण जानने पर पता चला कि प्रधान डाकघर बंगाली पुरा बांदा का राउटर सिस्टम खराब हो गया था जिस कारण कर्मचारियों सहित छोटी बाजार डाकघर बांदा को प्रधान डाकघर बांदा में संबध् कर दिया गया। जिस कारण छोटी बाजार डाकघर क्षेत्र के अंतर्गत आने जाने वाले उपभोक्ता जिसमें खासतौर से महिलाएं,माताएं, बहने और वरिष्ठ नागरिक तथा भूतपूर्व सैनिक जो छोटी बाजार डाकघर के नियमित उपभोक्ता थे,उन्हें प्रतिदिन लेन-देन में भारी परेशानी हो रही है और कोई भी रजिस्ट्री कार्य के लिए भी अन्य पोस्ट ऑफिस अथवा प्रधान डाकघर बंगाली पुरा के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं, जो छोटी बाजार डाकघर से लगभग दो ढाई किलोमीटर दूर है ।जहां इस भरी गर्मी में या तो सिविल लाइन का रेलवे पुल पास करना पड़ेगा या फिर बाबूलाल चौराहे का पुल पास करना पड़ेगा। जब इस संबंध में बांदा के डाक अधीक्षक अरुण कुमार वर्मा से भी बात की और कानपुर के डायरेक्टर सुबोध प्रताप सिंह से भी बात की उनके द्वारा बताया गया कि अभी इस कार्य में लगभग 10 दिन का समय और लगने की उम्मीद है। मेरा आपसे विनम्र अनुरोध है की जाने हेतु जो भी तकनीकी उपकरण मुख्यालय स्तर उपलब्ध कराए जाने हैं, कृपया उपलब्ध कराते हुए उपभोक्ता हित में छोटी बाजार के ग्राहकों के हित में छोटी बाजार डाकघर को चालू कराए जाने की मांग की है।

कारागार में न्यायिक व प्रशासनिक अधिकारियों ने किया निरीक्षण

बंदियों के भोजन की गुणवत्ता को अधिकारियों ने परखा

बंदियों को नि:शुल्क अधिवक्ता उपलब्ध कराने के दिए निर्देश

बांदा। आज जिला जज/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बांदा देवेन्द्र सिंह ने जिला कारागार बांदा का संयुक्त निरीक्षण किया। इस संयुक्त निरीक्षण में चन्द्रपाल प्रथम अपर जिला जाज, श्रीपाल सिंह अपर जिला जज / सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बांदा, श्रीमती जे. रीभा-जिलाधिकारी बांदा, पलाश बसंल पुलिस अधीक्षक बांदा तथा प्रफुल्ल कुमार चौधरी, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट बांदा आदि सम्मिलित रहें।

जनपद न्यायाधीश महोदय, प्रथम अपर जिला जज, जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वारा संयुक्त रुप से बैरक सं0-06, 9ए, बी, उए, उबी, कारागार अस्पताल व पाकशाला निरीक्षण किया गया। सभी बैरकों में निरुद्ध बन्दियों से अधिवक्ता न होने की स्थिति में नि:शुल्क अधिवक्ता उपलब्ध कराये जाने की जानकारी प्रदान की गयी जिसमें 03 बन्दियों को नि:शुल्क अधिवक्ता भी उपलब्ध कराये गये। पाकशाला का निरीक्षण किया गया, जहां पर मीनू के अनुसार दोपहर के भोजन में अरहर की दाल, रोटी, चावल व आलू कुल्फा की सब्जी तैयार की जा रही थी। जिला जज द्वारा वाटर ड्रेनेज सिस्टम का निरीक्षण किया गया, जिला जज द्वारा खुली नालियों को शीघ्र बन्द कराये जाने के निर्देश जेल अधीक्षक अनिल कुमार गौतम को दिये गये जिससे कि बैरकों में मच्छरों व गन्दगी से बचा जा सके।जिलाधिकारी द्वारा पीने की पानी की व्यवस्था जांची गयी जो कि सन्तोषजनक पायी गयी। जिला जज महोदय द्वारा कारागार अस्पताल का निरीक्षण किया गया जहां गम्भीर बीमारी कैंसर से पीड़ित दो बन्दियों से

उनके इलाज व खान-पान के सम्बंध में जानकारी ली। जिला जज द्वारा अस्पताल में एडमिट बन्दियों से उनसे मुकदमों के सम्बंध में जानकारी ली गयी तथा बताया गया कि ऐसे बन्दी जिनकी जमानत सर्वोच्च न्यायालय अथवा उच्च न्यायालय में लम्बित हैं तथा उनके पास अपने निजी अधिवक्ता नही हैं, ऐसे में सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बांदा को जमानत हेतु अपने प्रार्थना पत्र प्रेषित करें जिससे कि जमानत सम्बंधी अग्रिम कार्यवाही अमल में लायी जा सकें।

निरीक्षण के दौरान सर्वोच्च न्यायालय, नई दिल्ली में श्योजित रिट याचिका (सिविल) सं0-1404/2023 सुकन्या सान्था बनाम भारत संघ व अन्य में पारित निर्णय 3 अक्टूबर 24 के अनुपालन में जिला जज महोदय एवं बोर्ड ऑफ विड़टर्स के सदस्यगण द्वारा समस्त बन्दियों से किसी भी प्रकार का जातीय भेदभाव किये जाने अथवा अस्पृश्यता किये जाने के सम्बंध में जानकारी ली गयी एवं समस्त बन्दियों को जानकारी दी गयी कि आप सभी आपस में किसी प्रकार की जातीय भेदभाव व अस्पृश्यता की भावना एक-दूसरे के लिए न रखे। यदि आपके साथ किसी बन्दी अथवा कारागार स्टाफ द्वारा जातीय भेदभाव की भावना रखी जाती हैं अथवा यदि आपको ऐसा अनुभव होता है कि आपके साथ जातीय भेदभाव किया जा रहा हैं तो आप इसकी सूचना सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण-बांदा को उनके साप्ताहिक निरीक्षण में कारागार आने पर अथवा अथवा सचिव महोदय के नाम लिखित प्रार्थना भी जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बांदा में दिया जा सकता हैं। कारागार में उपलब्ध अभिलेखों की जांच में बन्दियों की जाति का कॉलम नही पाया गया। इसके अतिरिक्त महिला बैरकों का निरीक्षण किया गया। जहां पर जिला जज महोदय द्वारा आर्थिक रुप से कमजोर महिला बन्दियों के पास मुकदमों की पैरवी हेतु निजी अधिवक्ता न होने की दशा में नि:शुल्क अधिवक्ता प्रदान किये जाने हेतु जानकारी ली गयी तो 02 महिला बन्दियों द्वारा बताया गया कि उन्हे मुकदमों की पैरवी हेतु नि:शुल्क अधिवक्ता प्रदान किये जा चुके हैं। जिलाधिकारी महोदय द्वारा एक महिला बन्दी को विधिक सुझाव व सहायता प्रदान की गयी। पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा बैरक निरीक्षण में महिला बन्दियों को प्राप्त होने वाले वेजेड़ के सम्बंध में जानकारी ली गयी। निरीक्षण के समय जेल अधीक्षक अनिल कुमार गौतम, जेलर राकेश कुमार मौर्य, उपजेलर निर्भय सिंह, मधुरपाल, डा. संजीव वर्मा, डा. सर्वजीत कुमार, राशिद अहमद डीईओ जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बांदा व गजेन्द्र कुमार आंशुलिपिक जनपद न्यायालय बांदा उपस्थित रहें।

समाज गौरव सम्मान से सम्मानित हुए डा.बृजेश गुप्ता

बांदा। शहर के सुदामापुरी मोहल्ले निवासी और अंग्रेजी साहित्य में दस पुस्तकों के रचयिता प्रतिष्ठित साहित्यकार डॉ. बृजेश कुमार गुप्ता (जिन्हें श्मेवादेवश् के नाम से भी जाना जाता है) को उनके साहित्यिक योगदान के लिए 'सर्व भाषा साहित्यकार गौरव सम्मान-2025' और श्समाज गौरव सम्मानश् से विभूषित किया गया। उन्हें यह दोनों सम्मान रजिस्टर्ड डाक द्वारा प्रेषित किया गया है। वृंदावन स्थित गीता शोध संस्थान के सभागार में अखिल भारतीय साहित्य परिषद, ब्रज प्रांत के तत्वावधान में श्सर्व भाषा साहित्यकार सम्मान समारोहश् का भव्य आयोजन संपन्न हुआ। इस गरिमामयी अवसर पर कौरवी, ब्रज, खड़ी बोली, बुंदेली, अवधी और भोजपुरी सहित विभिन्न भाषाओं के 101 वरिष्ठ साहित्यकारों, समाजसेवियों एवं पर्यावरण प्रेमियों को क्रमशः 'सर्व भाषा साहित्यकार गौरव सम्मान', 'समाज गौरव सम्मान' और 'पर्यावरण गौरव सम्मान' से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन पूर्वाह्न 11 बजे परमपूज्य अनन्त वीर्य महाराज के द्वारा किया गया। इस विशेष अवसर पर

परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुशील चन्द्र त्रिवेदी 'मधुपेश', राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री श्रीधर पराड़कर, राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री मनोज कुमार और राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री डा. पवन पुत्र बादल की विशिष्ट उपस्थिति ने समारोह की शोभा और बड़ा दी। यह आयोजन दो सत्रों में सम्पन्न हुआ, जिसमें प्रदेश के विभिन्न अंचलों से पधारे अनेक प्रख्यात साहित्यकारों ने सहभागिता की। ब्रज प्रांत के प्रांतीय अध्यक्ष डा. सुरेश बाबू मिश्रा ने समारोह की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए भाषाई विविधता को भारतीय एकता का मूल आधार बताया। समापन सत्र में कश्मीर के पहलगाम में शहीद हुए वीरों को दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई और शोक प्रस्ताव पारित किया गया। गीता शोध संस्थान के ब्रज संस्कृति विशेषज्ञ एवं प्रांतीय संरक्षक डॉ. उमेशचंद्र शर्मा ने आयोजन समिति के सफल संयोजन की सराहना की। समिति में डॉ. अजीत कुमार जैन, डॉ. एस.पी. मौर्य, संजय पांडेय 'गौहर', विकास सारस्वत, डॉ. चंद्र प्रकाश शर्मा, संतोष मिश्रा, प्रो. पुरुषोत्तम पाटील, अंजना अंजुम, निरूपमा अग्रवाल, ऋषि जी, शेखर जी और कृपांशु खूबचंदानी सहित कई प्रांतीय पदाधिकारी शामिल रहे। कार्यक्रम का संचालन प्रांतीय संयुक्त मंत्री डॉ. पुरुषोत्तम पाटील एवं संगठन मंत्री अंजना अंजुम ने किया। यह आयोजन भाषाई विविधता का उत्सव ही नहीं, बल्कि भारतीय सांस्कृतिक एकता का सशक्त प्रतीक बनकर उभरा। उपस्थित साहित्यकारों ने उनके कार्यों की सराहना करते हुए उन्हें उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। डा. बृजेश पर अतर्रा पी.जी. कालेज, बाँदा के एम.एड. छात्र मान सिंह द्वारा हाल ही में एक लघु शोध भी प्रस्तुत किया गया है। शोध-पत्र लेखन प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त कर चुके डॉ. बृजेश वर्तमान में वर्ल्ड यूनियन ऑफ पोएट्स (इटली) में सेक्रेटरी जनरल पद पर कार्यरत हैं। उन्हें वर्ष 2024 में प्रतिष्ठित इतालवी सम्मान 11वें अंतर्राष्ट्रीय उत्कृष्टता पुरस्कार श्सिटा डेल गैलेटियो - एंटोनियो डी फेरारीस से भी नवाजा गया है। साल 2023 में सर्बिया के अपोलोन सिरमिएन्सिस अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित डा. बृजेश को हैती, नाइजीरिया, ब्राजील एवं सर्बिया की विभिन्न अकादमियों द्वारा मानद डॉक्टरेट की उपाधियाँ भी प्रदान की जा चुकी हैं। अफ्रीकी देश बिरलैंड ने उनके सम्मान में डाक टिकट भी जारी किया है। डॉ. बृजेश अब तक तीन अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों का सफल आयोजन कर चुके हैं और वर्तमान में एस.के. महाविद्यालय, जैतपुर (महोबा) में प्राचार्य पद पर कार्यरत हैं। उन्होंने यह सम्मान अपने समस्त शिक्षकों, साहित्यिक साथियों, परिजनों एवं महाविद्यालय परिवार को समर्पित किया है।

अवैध तमंचे के साथ अभियुक्तों को किया गिरफ्तार

बांदा। पुलिस अधीक्षक बांदा पलाश बंसल के कुशल निर्देशन में जनपद में अपराध एवं अपराधियों पर नियंत्रण लगाये जाने तथा अवैध शस्त्रों के संग्रहण,बिक्री व निर्माण करने वालों के विरुद्ध की जा रही कार्यवाही के क्रम में अलग अलग थाना क्षेत्रों से 02 अभियुक्तों को अवैध तमंचा व जिन्दा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया गया । जिसमें थाना कोतवाली देहात व बिसण्डा पुलिस द्वारा एक-एक अभियुक्त को अवैध तमंचा व जिन्दा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया गया । थाना कोतवाली देहात पुलिस द्वारा गिरफ्तार अभियुक्त का नाम नीशू सिंह पुत्र मंगल सिंह निवासी छेहरांव थाना कोतवाली देहात है।

अहमदाबाद दुर्घटना के मृतकों को सपाईयों ने दी श्रद्धांजलि

पार्टी के जिला कार्यालय में हुआ आयोजन

बांदा। गुजरात के अहमदाबाद में प्लेन क्रैश में मारे गये दिवंगतों को समाजवादी पार्टी कार्यालय में 2 मिनट मौन रखकर एक शोक सभा की गई ।जिसमें अहमदाबाद में जो भीभत्स प्लेन दुर्घटना हो गई है, जिसमें गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रुपानी सहित उन सभी दिवंगत परिवारों को और शुभचिंतकों को भगवान इस दुख भरी घड़ी में दुख सहने की क्षमता प्रदान करें और इसी शोक संवेदना क्रम में समाजवादी पार्टी ने अपने तीन दिनों के लिए सारे कार्यक्रम निरस्त कर दिए हैं,और 14 मई को समाजवादी पार्टी का 9 सदस्यीय डेलिगेशन चिल्ला ग्राम पंचायत के मजरा चकला में दिवंगत 3 वर्षीय अबोध बालिका के साथ वीभत्स घटना घटी है उसमें डेलीगेट्स के जाने का कार्यक्रम 14 मई को था, तदो उपरांत वीभत्स घटना के कारणअब 16 मई हो गया है, सभी समाजवादी के लोग ग्राम पंचायत चिल्ला के मजरा चकला में उपस्थित रहे,आज पार्टी कार्यालय हुई शोक सभा में समाजवादी पार्टी बांदा के जिला अध्यक्ष डॉ मधुसूदन कुशवाहा, सामाजिक पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव पूर्व मंत्री सांसद,विशंभर निषाद जी, च्च। सदर प्रभारी उमेश यादव, जिला महासचिव एजाज खान,प्रोफेसर सुनील यादव, इंद्रजीत यादव, प्रमोद गुप्ता श्राजाष्,प्रमोद निषाद, शिवकरण पाल, कुदरत उल्ला,नीलम गुप्ता, रजनी यादव, निलेश श्रीवास,सुनील कुशवाहा, अनुपम लौहवंशी,त समुद्र, पुरुषोत्तम गुप्ता,शुभम धुरिया,नेतराम वर्मा, आदि समाजवादी लोग शोक सभा में रहे। यह जानकारी जिला मीडिया प्रभारी /प्रवक्ता प्रमोद गुप्ता राजा ने दी।

सरकार द्वारा वितरित स्मार्टफोन, टेबलेट से छात्र-छात्राओं को मिल रही है तकनीकी शिक्षा

बांदा। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के युवाओं को तकनीकी सशक्तीकरण हेतु टेबलेट/स्मार्टफोन वितरण योजना लागू की है। इस योजना को ''स्वामी विवेकानन्द युवा सशक्तिकरण योजना'' के नाम से संचालित किया गया है। प्रदेश सरकार का ध्येय है कि छात्र/छात्राओं किसी भी आर्थिक समस्यां के कारण तकनीकी शिक्षा में पीछे न रहें। उन्हें आधुनिक तकनीक का ज्ञान होना जरूरी है। यह योजना युवाओं को कौशल विकास और शिक्षा प्रदान करके उन्हें सशक्त बनाने पर केन्द्रित है। इस योजना का उद्देश्य है कि युवाओं को नेतृत्व क्षमता प्रदान करने के लिए आवश्यक संसाधन और अवसर प्रदान किया जाये। युवाओं को उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा प्रदान करते हुए रोजगार से लगाना तथा व्यावसायिक कौशल/ शिक्षा प्राप्त कर आत्मनिर्भर बनाना है। यह योजना युवाओं को सशक्त बनाने के लिए सरकार का महत्वपूर्ण कदम है और युवाओं के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देने की क्षमता है।

स्वामी विवेकानन्द युवा सशक्तिकरण योजना के अन्तर्गत उच्च/उच्चतर शिक्षण संस्थाओं स्नातक, स्नातकोत्तर, डिप्लोमा, कौशल विकास, पैरामेडिकल तथा नर्सिंग आदि के अन्तर्गत अध्ययनरत छात्र, छात्राओं को बिना पंजीकरण के लाभान्वित किया जाता है। प्रदेश की परिधि में आने वाले केन्द्रीय विश्वद्यिालयों में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को भी बिना पंजीकरण के लाभान्वित किया जाता है। लाभार्थियों का डिजीशक्ति पोर्टल पर डाटा अपलोड एवं सत्यापन की त्रिस्तरीय व्यवस्था की गई है। लाभार्थियों की पात्रता हेतु संबंधित संस्थान द्वारा लाभार्थियों का डाटा अपलोड वेरीफाई संबंधित विश्वविद्यालय द्वारा अप्रूव करते हुए संबंधित विभाग द्वारा लॉक किया जाता है। लॉक होने के पश्चात लाभार्थी द्वारा आधार प्रमाणीकरण किये जाने के उपरान्त लाभार्थी को उपकरण प्राप्त कराया जाता है। लाभार्थियों को टेबलेट/स्मार्टफोन संबंधित जनपद के शिक्षण संस्थान के माध्यम से वितरित किया जाता है।

उत्तर प्रदेश देश में सबसे बड़ी युवा शक्ति वाला राज्य है। प्रदेश की युवा शक्ति को सशक्त बनाने और उसे वर्तमान व भविष्य की जरूरतों के अनुसार कौशल प्रदान करने की दिशा में प्रदेश सरकार ने महत्वपूर्ण कदम उठाये है। यह योजना युवाओं को सशक्त बनाने के लिए प्रभावी साबित हो रही है। यह योजना वर्ष 2022-23 से 05 वर्षों हेतु लागू की गई है। इसका प्रबन्धन और पूरी प्रक्रिया को पेपरलेस संचालन के लिए डिजीशक्ति वेब पोर्टल विकसित किया गया है। वितरित किये जा रहे उपकरण में ऐप का उपयोग विभागों द्वारा शैक्षणिक, कैरियर और रोजगार संबंधी जानकारी लिंक के माध्यम से सीधे लाभार्थियों के उपकरणों पर फ्लैस सन्देश प्रारूप में भेजने का प्राविधान है। वितरित उपकरणों में बूट लोगो पर वॉलपेपर उपलब्ध एवं एम0डी0एम0 के माध्यम से बूट लोगो एवं वॉलपेपर परिवर्तनीय है।

प्रदेश सरकार विभिन्न शिक्षण संस्थाओं में पड़ रहे छात्र-छात्राओं को उनकी शिक्षा को तकनीक के माध्यम से आगे बड़ने के लिए प्रोत्साहित कर रही है। इस योजना के तहत प्रदेश के 2 करोड़ छात्र/छात्राओं को स्मार्टफोन/टेबलेट वितरित किया जा रहा है। इस योजना के अन्तर्गत लगभग 58 लाख स्मार्टफोन/टेबलेट वितरित किये जा चुके है। शिक्षा प्राप्त कर रहें छात्र-छात्रायें स्मार्टफोन/टेबलेट प्राप्त कर प्रसन्न होते हुए अपना गुणवत्तायुक्त शैक्षणिक विकास कर रहें है।

प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना से प्रदेश के 19.94 लाख से अधिक स्ट्रीट वेण्डर हुए लाभान्वित

बांदा। प्रदेश में कोविड-19 के दौरान छोटे-बड़े शहरों में रेहड़ी वाले, पटरी व सड़क किनारे दुकान, कोई धन्धा, कारोबार करके रोज कमाने रोज खाने वाले काफी दुकानदार एवं वेण्डर्स अपनी रोजी-रोटी चलाते थे, वह लॉकडाउन के दौरान बन्द हो गया था। ये शहरी पथ विक्रेता ऐसे होते थे जो प्रतिदिन वस्तुएं खरीदते और उसे प्रतिदिन बेचते थे। ये पथ विक्रेता प्रतिदिन जो कमाते थे उससे उनके परिवार का पालन पोषण होता था। ऐसे शहरी पथ विक्रेताओं की संख्या प्रदेश में लाखों है। जो लोग दैनिक आजीविका के कारोबार करते थे, धनाभाव के कारण बन्द हो गया। कारोबार बन्द होने से शहरी पथ विक्रेताओं के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया था।

शहरी पथ विक्रेताओं की इन्हीं समस्याओं को दृष्टिगत रखते हुए भारत के मा0 प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने 01 जून, 2020 से श्प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेन्डर्स आत्मनिर्भर निधि (पी0एम0 स्वनिधि) योजनाश् का शुभारम्भ किया है, जिसके अन्तर्गत शहरी पथ विक्रेताओं को पुनः अपना कार्य शुरू कर आत्मनिर्भर बनाने के लिए भारत सरकार द्वारा आर्थिक पैकेज के रूप में आसान किश्तों पर ऋण की सुविधा देकर कार्यशील पूँजी बनाने में उनकी सहायता की जा रही है। प्रदेश सरकार बेरोजगार हुए हर वर्ग के लोगों की सहायता कर रही है। प्रदेश सरकार खेतिहर, मजदूर, किसान, कारीगर, कुशल/अर्द्धकुशल श्रमिक, उद्योग-धंधों के लोगों, उद्यमी व्यवसायी सभी को आवश्यक सहायता कर रही है। जिससे उनका विकास हो और प्रदेश समृद्ध बने। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के कुशल नेतृत्व में प्रदेश में शहरी रेहड़ी पटरी वालों व छोटी-मोटी दुकान वालों को अपना कारोबार फिर से खड़ा करने के लिए भारत सरकार द्वारा संचालित प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना से प्रदेश सरकार पथ विक्रेताओं को लाभान्वित करा रही है। जो लोग पहले से वेंडिंग कर रहे है, वे वेंडर्स इस योजना से लाभ उठा रहे है। इस योजना के अन्तर्गत लाभ लेने के लिए सर्वेक्षण कराते हुए उनका पंजीयन किया गया है। उत्तर प्रदेश सरकार ने प्रदेश के समस्त नगर निगमों, नगर निकायों से चिहिन्त पंजीकृत शहरी पथ विक्रेताओं का डाटा विवरण योजना के पोर्टल पर उपलब्ध कराये गये है। प्रधानमंत्री स्वनिधि-योजनान्तर्गत शहरी पथ विक्रेता को रू010 हजार का अनुदान आधारित प्रथम ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है। प्रथम ऋण की वापसी के उपरान्त द्वितीय ऋण रू0 20 हजार एवं द्वितीय ऋण की वापसी के उपरान्त तृतीय ऋण रु0 50 हजार बैंकों के माध्यम से उपलब्ध कराया जा रहा है। प्रदेश सरकार द्वारा 19.94 लाख से अधिक पटरी पथ विक्रेताओं को ऋण वितरित करते हुये पूरे देश में उत्तर प्रदेश प्रथम स्थान पर है। प्रदेश के लाखों पथ विक्रेताओं एवं उनके परिवार के सदस्यों को 8 अन्य केन्द्रीय योजनाओं से लाभान्वित कराया जा चुका है। प्रदेश में अब तक 9,45,379 पथ विक्रेताओं को डिजिटली एक्टिव कराया गया है। प्रथम 10 मिलियन प्लस शहरो में सर्वाधिक ऋण वितरण में प्रदेश के 6 शहर-लखनऊ, कानपुर, वाराणसी, प्रयागराज, गाजियाबाद व आगरा सम्मिलित हैं। भारत सरकार द्वारा उत्तर प्रदेश को उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु वर्ष 2023-24 में ष्प्रेज अवार्डष् से पुरस्कृत किया गया है। प्रदेश सरकार आवेदन फार्म तथा संबंधित बैंक के बन्धक पत्र में भी आवश्यक सहयोग कर रही है, जिससे वेण्डर्स दैनिक कमाई करते हुए अपनी आर्थिक स्थिति में सुधार ला सकें। प्रदेश के शहरी पथ विक्रेता इस योजना का लाभ उठाते हुए अपनी आर्थिक स्थिति में सुधार करते हुए आत्मनिर्भर हो रहे हैं।

» न्यूज कैप्सूल »

विपक्षी भाई पर लगाया पत्नी के साथ गाली गलौज मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने का आरोप

पीड़िता के पति की शिकायत पर आरोपी देवर के खिलाफ मामला दर्ज

ललितपुर। थाना बार क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम गढ़िया में किसी बात को लेकर एक ही परिवार के दो सगे भाइयों के बीच आपसी पारिवारिक विवाद उत्पन्न हुआ था। जिसकी रंजिश के चलते देवर ने मौका पाकर अपनी भाभी को दबोच कर गाली गलौज कर मारपीट की तथा जान से मारने की धमकी दी। घटना के संबंध में पीड़िता के पति की शिकायत पर आरोपी देवर के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। ग्राम गढ़िया निवासी गुलाब पुत्र मनकू ने थाना बार पुलिस को शिकायती पत्र देते हुए अवगत कराया कि उसकी और उसके भाई के बीच पिछले कई महीनों से आपसी पारिवारिक विवाद चल रहा है जिस कारण वह उससे रंजिश भी रखता है। किसी परिवारिक रजिश के चलते दिनांक 11 जून 2025 को रात्रि 8:00 बजे उसके ही अपने सगे भाई ओमकार पुत्र मनकु ने मौका पाकर उसकी पत्नी को घर में अकेला पाकर दबोच लिया और उसके साथ सरेआम गाली गलौज करते हुए मारपीट की तथा जान से मारने की धमकी दी। थाना बार पुलिस ने मामले को संज्ञान में लेकर पीड़िता के पति द्वारा दिए गए शिकायती पत्र के आधार पर आरोपी देवर के खिलाफ 115(2), 352, 351(3) धाराओं में मामला पंजीकृत कर विवेचना प्रारंभ कर दी है।

सरेआम जाति सूचक शब्दों से अपमानित कर गाली गलौज मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने का आरोप

ललितपुर। कोतवाली महरौनी क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम मिदरवाहा में किसी बात को लेकर गांव के ही दबंग विपक्षियों ने एक ग्रामीण के साथ जाति सूचक शब्दों से अपमानित करते हुए जमकर गाली गलौज कर मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी थी। उक्त घटना के संबंध में पीड़ित की शिकायती पत्र पुलिस ने चारों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर कार्रवाई की है। ग्राम पठा बिजयपुर निवासी दीपक पत्र पुरन अहिरवार ने कोतवाली महरौली पुलिस को शिकायती पत्र देते हुए अवगत कराया कि दिनांक 10 जून 2025 को शाम करीब 4:30 बज उस समय उसका विवाद ग्राम मिदरवाहा निवासी दबंग प्रवृत्ति के मानवेंद्र राजा पुत्र शंकर सिंह सहित उनके अन्य लोगों से हो गया था, जब वह उनके गांव गया था । जिसके चलते दोनों के बीच जमकर कहांसुनी हुई। इस कहासुनी के दौरान दबंग विपक्षी मानवेंद्र सिंह ने अपने चार साथियों के बल पर उसे मौके पर दबोच लिया और उसके साथ जाति सूचक शब्दों से अपमानित करते हुए जमकर गाली-गलौज की। इतना ही नहीं जब उसने विपक्षियों की इस हरकत पर विरोध जताया, तो उन्होंने लाठी डंडों से मारपीट करते हुए जान से मारने की धमकी भी दी। कोतवाली महरौनी पुलिस ने मामले को संज्ञान में लेकर पीड़ित ग्रामीण द्वारा दिए गए शिकायती पत्र के आधार पर तीन नामजद एवं एक अज्ञात आरोपी के खिलाफ 115(2), 352, 351(3) तथा 3(1)द ध, 3(2)5 एससी एसटी एक्ट में मामला पंजीकृत कर विवेचना प्रारंभ कर दी है।

मुहल्ले में ही भाई को दबोच कर गाली गलौज मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने का आरोप

ललितपुर। सदर कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत मोहल्ला चौकबाड़ में कुछ दबंगों ने एक राय होकर विपक्षी को मौका पाकर दबोच लिया और उसके साथ सरेआम गाली गलौज करते हुए मारपीट की और जान से मारने की धमकी भी दी। उक्त घटना के संबंध में पीड़ित के भाई ने पुलिस को शिकायती पत्र देकर आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कराया। शहर के मोहल्ला चौकबाग निवासी सोनू प्रजापति पुत्र बुद्धू प्रजापति ने सदर कोतवाली पुलिस को शिकायती पत्र देते हुए अवगत कराया कि दिनांक 12 जून 2025 को शाम करीब 4:30 बजे जब उसका भाई अंकित अपने ही मोहल्ले में मौजूद था। तभी शिवनगर से दो बाईकों पर सवार होकर साहिल कुशवाहा सहित चार दबंग वहां पर आए और उसके भाई को दबोच लिया। इस दौरान दबंगों ने उसके भाई के साथ सरेआम जमकर गाली गलौज करते हुए मारपीट की तथा जान से मारने की धमकी दी। दबंग विपक्षियों की मारपीट में उसके भाई को गंभीर चोटे भी आई हैं। सदर कोतवाली पुलिस ने मामले को संज्ञान में लेकर पीड़ित के भाई द्वारा दिए गए शिकायती पत्र के आधार पर चारों नामजद आरोपियों के खिलाफ 115(2), 352, 351(3) धाराओं में मामला पंजीकृत कर विवेचना प्रारंभ कर दी है।

पोस्टमार्टम के बाद पाली थाने में ग्रामीणों ने मृतक का शव लेकर किया हंगामा

सीओ पाली के समझाने के बाद माने ग्रामीण

ललितपुर। जनपद के पाली थाना अंतर्गत ग्राम डूंगरिया में मंगलवार की रात्रि में मारपीट की घटी घटना में लेखपाल राजपूत की मौत हो गई थी। न्याय दिलाने के लिए परिजनों ने पोस्टमार्टम के बाद मृतक के शव को पाली थाना के सामने रखकर हंगामा काटा और न्याय की मांग। इस दौरान ग्रामीणों ने पुलिस पर कार्रवाई न करने की गंभीर आरोप भी लगाए । धरना प्रदर्शन की सूचना पर मौड़े पर पाली क्षेत्र अधिकारी सुनील कुमार भारद्वाज ने मौके पर पहुंचकर मृतक के परिजनों को कार्यवाही का आश्वासन देकर धरना प्रदर्शन शांत कराया और शव को अंतिम संस्कार के लिए भिजवाया।

शादी विवाह में बैण्ड, लाइट, हलवाई कार्य सहित कृषि क्षेत्र में बाल श्रम कराने वाले पर होगी कार्यवाही: डीएम

बाल श्रम कराना एक अपराध है, हर बच्चे को शिक्षा, सुरक्षा और सम्मान का अधिकार है- जिला प्रशासन

बाल श्रम को लेकर जिला अधिकारी अधीनसथों को बैठक कर दिए दिशा निर्देश

जनपद में बाल श्रम रोकने 17 जून तक चलेगा विशेष जागरूकता अभियान

ललितपुर। शासन के निर्देशानुसार जनपद में बाल श्रम को रोकने और हर बच्चे को शिक्षा, सुरक्षा और सम्मान का अधिकार दिलाये जाने के लिए विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने हेतु आज शुक्रवार को जिलाधिकारी श्री अक्षय त्रिपाठी की अध्यक्षता में श्रम विभाग एवं यूनिसेफ के पदाधिकारियों के साथ कलैक्ट्रेट सभागार में बैठक का आयोजन किया गया।

बैठक में श्रम विभाग के अतिरिक्त सरकार के अन्य विभाग जैसे शिक्षा, पंचायती राज, महिला कल्याण, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, पुलिस, समाज कल्याण, अल्पसंख्यक कल्याण, ग्राम्य विकास व सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग भी उपस्थित रहे इसके अतिरिक्त बाल श्रम उन्मूलन व पुनर्वासन कार्यों में स्थानीय स्तर पर गैर सरकारी संगठनों, शैक्षणिक संस्थानों श्रमिक एवं नियोक्ता संगठनों व अन्य स्टेकहोल्डर्स भी शामिल रहे।

बैठक के दौरान जिलाधिकारी द्वारा निर्देश दिये गये कि 17 जून तक विशेष जागरूकता अभियान जनपद में बाल श्रम के विरूद्ध चलाया जायेगा जिसमें यूनिसेफ द्वारा भी आवश्यक सहयोग प्रदान किया जायेगा। शादी-विवाह कार्यक्रमों में बाल श्रम को रोकने हेतु टेण्ट संचालक, डीजे/बैण्ड संचालक, हलवाई, शादी घर मालिकों एवं वर/वधू से लिखित प्रमाण-पत्र समारोह से पूर्व लिया जाये कि उनके द्वारा आयोजित कार्यक्रम में किसी भी प्रकार का बाल श्रम नहीं कराया जायेगा, यदि कहीं भी बाल श्रम होता पाया गया तो तत्काल दण्डात्मक कार्यवाही की जाये। जनपद में बेकरी संचालकों व अन्य प्रतिष्ठानों में प्राय: कार्यवाही की जाती रही है, निर्देश दिये गये कि खाद्य सामग्री प्रतिष्ठानों में बाल श्रम कराये जाने वाले सेवायोजकों/दुकानदारों के विरूद्ध लाईसेंस निरस्त की कार्यवाही भी की जाये, छापेमारी के दौरान सहायक खाद्य आयुक्त भी शामिल रहें, नगर पालिका/नगर पंचायतों में भी बाल श्रम कराने वालों के विरूद्ध कार्यवाही की जाये, जिससे जनपद को बाल श्रम मुक्त कराया जा सके। शिक्षा विभाग के यूडायस कोड में पंजीकृत छात्र/छात्राओं का सर्वेक्षण कराया जाये जो 15 से 20 दिन निरन्तर अनुपस्थित रहे हों, यदि वह बाल श्रम में नियोजित हों तो उन्हें शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ा जाये और सेवायोजकों के विरूद्ध कार्यवाही की जाये। जिलाधिकारी ने कहा कि ''बाल श्रम रोको'' विशेष अभियान के दौरान छापेमारी टीम/जनपद स्तरीय अधिकारियों/नामित निरीक्षकों/टास्क फोर्स के लक्ष्य निर्धारित कर ग्राम पंचायत स्तर पर कराये जा रहे बाल श्रम को रोका जाये। जिलाधिकारी ने यह भी निर्देश दिये कि एक्ट् में जिसको निरीक्षक घोषित किया गया हो उसको तहसील-वार, ब्लाक-वार, लक्ष्य दिया जाये ताकि अधिक से अधिक बच्चों को अवमुक्त कराया जा सके।बैठक में बताया गया कि बाल एवं किशोर श्रम (प्रतिषेध एवं विनियमन) अधिनियम 1986 यथा संशोधित 2016 के अन्तर्गत सभी प्रकार के कार्यों में बच्चों (14 वर्ष से कम) के कार्य करने पर प्रतिबन्ध के साथ ही किशोरों (14-18 वर्ष) तक के खतरनाक व्यवसायों व प्रक्रियाओं में प्रतिबन्धित होगा। धारा-3 के अंतर्गत 14 वर्ष तक की आयु के बच्चों के लिये किसी प्रकार का भी श्रम (कार्य) प्रतिबन्धित कर इसे शिक्षा के अधिकार अधिनियम 2009 से जोड़ा गया है। किशोर-किशोरियों (14 से 18 वर्ष) के लिये कार्य करने पर प्रतिबन्ध (धारा-3ए) के तहत श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा अधिसूचित खतरनाक व्यवसायों व प्रकियाओं जैसे-खतरनाक व्यवसायों व प्रक्रियाओं जिनमें किशोर-किशोरियों का काम करना व बच्चों (14 वर्ष से कम) का मदद करना प्रतिबन्धित है। वह खतरनाक व्यवसाय व प्रक्रियाऐं जिनमें पार्ट ए' के अतिरिक्त बच्चों (14 वर्ष से कम आयु) का परिवार के कार्यों में मदद करना प्रतिबन्धित है। इस हेतुम दण्ड के रुप में धारा-3 व 3ए के अन्तर्गत किये जाने वाले अपराध संज्ञेय अपराध होगा और न्यूनतम 06 माह व अधिकतम 02 वर्ष की सजा व न्यूनतम 20,000 व अधिकतम 50,000/- का जुर्माना अथवा दोनों अपराध की पुनरावृत्ति पर न्यूनतम 01 वर्ष व अधिकतम 03 वर्ष की सजा का प्रावधान है। संज्ञेय अपराधों में अधिनियम के अन्तर्गत अब सीधे एफ0आई0आर0 दर्ज करायी जा सकती है। पुलिस अधिकारी को विवेचना के लिये मजिस्टेऊट की अनुमति की आवश्यकता नही होगी। आवश्यक होने पर पुलिस अधिकारी गिरफ्तार भी कर सकता है। जिस व्यक्ति के विरूद्ध एफ0आई0आर0 दर्ज करायी जायेगी उसे अपराधिक मुकदमें का सामना करना होगा। कार्यक्रम के अन्त में हस्ताक्षर अभियान भी चलाया गया एवं प्रचार वाहन व रैली को जिलाधिकारी द्वारा हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया गया जो शहर के विभिन्न स्थानों पर घूमकर बाल श्रम रोकथाम हेतु जानकारी दी एवं प्रचार-प्रसार किया। बैठक में उपस्थित सभी अधिकारियों/कर्मचारियों द्वारा शपथ ली गयी कि वह जनपद को बाल श्रम मुक्त करायेंगे। बैठक में जिला प्रोबेशन अधिकारी नन्दलाल सिंह, अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका दिनेश कुमार विश्वकर्मा, जिला सूचना अधिकारी डी0एस0 दयाल, जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी राजेश बघेल, बाल विकास परियोजना अधिकारी खुशबू यादव, प्रभारी डी0आई0ओ0एस0 कोमल सिंह नरवरिया, प्रभारी बी0एस0ए0 नन्दित कुमार, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी वीरेन्द्र सिंह, यूनीसेफ से परीक्षित सेठ, इण्टेक महासचिव विनोद कुमार मिश्रा, अध्यक्ष प्रदीप श्रीवास्तव, सोसायटी फार प्रगति भारत की एक्जिक्यूटिव डायरेक्टर दीपाली पटेरिया, जनसाहस जिला समन्वयक राजेश कुमार आदि उपस्थित रहें।

साहब... जब गांव में ही रोजगार उपलब्ध है तो फिर ग्रामीण मजदूर आखिर क्यों करते हैं पलायन

ठेकेदार के साथ मजदूरी करने गये ग्रामीण की मथुरा में संदिग्ध परिस्थियों हुई मौत

एम्बुलेंस से शव घर छोड़कर जाने के बाद ग्रामीणों ने हाइबे जामकर किया प्रदर्शन

पुलिस ने कार्यवाही का आश्वासन डिकर धरना प्रदर्शन शांत कराकर हाईवे कराया सुचारू

ललितपुर। ठेकेदार के माध्यम से मथुरा जनपद काम करने गए एक ग्रामीण मजदूर की संदिग्ध परिस्थितियों में मथुरा में ही मौत हो गई जब ठेकेदार उसका शब्द घर छोड़कर चला गया तब ग्रामीणों ने कार्यवाही की मांग को लेकर झांसी नेशनल हाईबे 44 पर स्थित कोतवाली तालबेहट क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम जमालपुर में ग्रामीणों के साथ जम कर दिया और दोनों तरफ का हाईवे जमकर जमकर धरना प्रदर्शन किया। सड़क जाम की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों को समझा बूझकर कार्यवाही का शासन देकर धरना प्रदर्शन शांत कराया और हाईवे को सुचारू कराया। गौरतपब हैं कि जब योगी और मोदी सरकार ने मनरेगा योजना को चलकर गांव के ही लोगों को गांव में रोजगार दिलाने का काम किया है तो फिर गांव के युवा रोजगार की तलाश में गैर जनपद और अन्य प्रति में क्यों चले जाते हैं। जनपद से मजदूरों का पलायन करना सरकार की मनसा पर सवालिया निशान लगाने के लिए काफी है।

झांसी नेशनल हाईवे पर स्थित तालबेहट क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम जमालपुर निवासी 32 बर्षीय शुक्लू पुत्र धर्मा सहरिया अपने ही गांव के ठेकेदार अशोक बरार के साथ मजदूरी करने के लिए मथुरा जनपद इसलिए गया था कि उसे गांव में मजदूरी का काम नहीं मिल रहा था और रोजगार का संकट खड़ा था। बताया गया है की मजदूरी के काम से गए ग्रामीण की संदिग्ध परिस्थितियों में मथुरा में ही मौत हो गई जिसके बाद ठेकेदार प्राइवेट एंबुलेंस के माध्यम से उसका शव लेकर उसके घर पर रखकर वहां से चला गया। घटना की जानकारी होने पर परिजनों ने ग्रामीणों के साथ जमालपुर हाईवे जाम कर दिया और विपक्षी ठेकेदार के खिलाफ कार्यवाही की मांग को लेकर धरना प्रदर्शन करने लगे करीब 1 घंटे बाद धरना प्रदर्शन की सूचना लगने पर तापबेहट पुलिस के साथ अपर पुलिस अधीक्षक कालू सिंह सीओ अभय नारायण के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। जहां उन्होंने हालातो का जायजा लिया और परिजनों को कार्यवाही का शासन देकर हाईवे जाम खुलवाकर यातायात को सुचारू कराया। बताते चलें कि करीब एक घंटे तक दोनों और का हाईवे जाम रहा जिस कारण वहां पर वाहनों की लंबी कतार लग गई और भीषण गर्मी कड़ी धूप में यात्री पानी को तरस गए।

पंजाब नैशनल बैंक द्वारा खाता खोलने हेतु मेगा शिविर का हुआ आयोजन

शिबिर में करीब दी हजार लाभार्थियों के खोले गये खाते

ललितपुर। पंजाब नैशनल बैंक ड़द्वारा दिनांक 12 जून 2025 को विभिन्न प्रकार के बचत खाता खोलने हेतु एक वृहद् शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में अवयस्क और युवाओं के लिए पीएनबी यो या राइज सेविंग अकाउंट, वेतन भोगी कर्मचारियों के लिए पीएनबी सैलरी अकाउंट, महिलाओं के लिए पीएनबी वूमेन पावर सेविंग अकाउंट, तथा वरिष्ठ नागरिकों और पेंशन भोगी नागरिकों हेतु पीएनबी सम्मान सेविंग स्कीम के तहत खाते खोले गए।

इस मामले में मंडल प्रमुख राज कुमार ने बताया कि इस मेगा कैंप को मंडल के अंतर्गत आने वाले चारों जिलों झांसी, ललितपुर, जालौन और महोबा स्थित सभी 62 शाखाओं में आयोजित किया गया। उन्होंने इस प्रकार के खातों की विशेषताएं बताते हुए कहा कि हमारे बैंक ने इन खातों के तहत फ्री एक्सीडेंटल इंश्योरेंस और कैंसर तथा सांप के काटने से होने वाली क्षतिपूर्ति को भी कवर किया है। इसके साथ ही फ्री व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा, फ्री ओटीटी ऐप, फूड डिलीवरी ऐप, फैशन या ग्रॉसरी ऐप या डिस्काउंट, स्वाइप सुविधा, हेल्थ चेकअप, अनलिमिटेड मेडिकल कंसल्टेशन, एयरपोर्ट लाउंज एक्सेस, रिवॉर्ड पॉइंट जैसी सुविधाओं को शामिल किया है। इस योजना के तहत ग्राहक अपनी पसंद का खाता नंबर भी ले सकते है। इस कैंप में सभी प्रकार की योजनाओं के तहत खाते खोले गए और ग्राहकों ने इस कैंप का लाभ लिया। सभी संभावित ग्राहक अपने नजदीकी पीएनबी शाखा से संपर्क करके इसके बारे में अधिक जानकारी ले सकते हैं।

जरया गाँव के आसपास बड़े पैमाने पर धड़ल्ले से चल रहा है अबैध खनन का कार्य

कई बार शिकायत करने के बाद भी खनिज पर अधकारी लगाया कार्यवाही न करने का आरोप

ग्रामीणों ने अबैध खनन का वीडियो शोशल मिडिया पर किया वायरल

ललितपुर। जहां सरकार ने अबैध खनन पर पूरी तरह रोक लगाने का काम किया है तो वहीं दूसरी ओर इस सरकार के अधीन सरकारी कर्मचारियों की लचर कार्य प्रणाली के चलते कोतवाली महरौनी क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम जरया गाँव के आसपास बड़े पैमाने पर अवैध खनन का कार्य किया जा रहा है, जिसके फोटो वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि अवैध खनन को लेकर उन्होंने प्रशासनिक अधिकारियों से कई बार शिकायत की लेकिन कार्यवाही न होने से इस पर लगाम नहीं लग सकी।

शुक्रवार को सोशल मीडिया के प्लेटफार्म व्हाट्सएप फेसबुक पर खनन का एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें एक जेसीबी मशीन की मदद से कुछ लोग गांव से मिट्टी उठाकर ट्राली में इलाज कर कहीं ले जाने का काम कर रहे हैं। मामले की पड़ताल की गई तो पता चला कि महरौनी इलाके के जरया गांव में कुछ दबंगों द्वारा पिछले कई महीनो से अवैध खनन का कार्य किया जा रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि इस इलाके में महीनों से अवैध खनन का कार्य चल रहा है और इस मामले को लेकर वह तहसील स्तर से लेकर जिला स्तर तक की अधिकारियों के पास शिकायत लेकर गए। लेकिन अवैध खनन कर्ताओं के खिलाफ कोई प्रभावी कार्यवाही अमल में नहीं लाई गई, जिस कारण उनके हौसले बुलंद है और इलाके में लगातार जमीनों का सीना छलनी किया जा रहा है। इस मामले में अब देखने वाली बात है हुई कि जब वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, तब अधिकारी इस मामले में क्या ठोस कदम उठाती हैं या फिर इस मामले को यूं ही ठंडे बस्ते में डाल दिया जाता है।

संत की सरकार में मंदिर के मामले में सुनाबाई न होने से दूसरा संत भीषण गर्मी में क्लैक्ट्रेट परिसर में अनशन पर बैठा

अधिकारियों पर लगाया स्थगन आदेश के बावजूद मनमाने तरीके से काम करने का आरोप

करीब 400 साल पुराने मंदिर के पास की जमीन नियम विरुद्ध दबंग विपक्षियों को लीज पर दिए जाने का भी आरोप

जिला प्रशासन पर लगाया न्यायालय के आदेश की सुनवाई न कर आवेहलना करने का आरोप

ललितपुर। जहां एक ओर संत योगी की प्रदेश सरकार सभी लोगों को न्याय पूर्ण प्रक्रिया देकर न्याय दिलाने का आश्वासन दे रही है। तो वहीं दूसरी ओर उसी संत की सरकार के अधीनस्थ अधिकारी मंदिर तोड़े जाने के मामले में एक संत की सुनवाई नहीं कर रहे है। जिस कारण संत काफी परेशान नजर आ रहा है और अधिकारियों द्वारा सुनवाई न होने के कारण वह भीषण गर्मी और कड़ी धूप में तपते फर्श पर क्लैक्ट्रेट परिसर में अनशन पर बैठ गया। हालांकि थोड़ी देर बाद संबंधित अधिकारी संत के पास आए और उनकी बात सुनकर समस्या का निराकरण करने का आश्वासन देकर उन्हें उनसन उठा दिया। मामला जाखलौन क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम चान्दपुर की सुम्मेर गड़ पहाड़ी के हनुमान मंदिर से जुडा हुआ है।

शुक्रवार को थाना जाखलौन क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम चांदपुर की सुमेरगढ़ पहाड़ी पर बने करीब 400 साल प्राचीन मंदिर के पुजारी विश्राम दास शुक्रबार को दोपहर करीब 12:00 बजे मंदिर के संबंध में शिकायती पत्र देने क्लैक्ट्रेट परिसर पहुंचे, जहां सुनबाई न होने से आक्रोशित संत कड़ी धूप में तपती फर्श पर अनशन पर बैठ गये। करीब आधे घंटे तक वह परिसर में अनसन पर बैठे रहे। इस बात की खबर जब अंदर बैठे जनसुनवाई कर रहे अधिकारी को लगी, तो उन्होंने पुजारी को समस्या का समाधान करवाने का आश्वासन देकर उनका अनशन समाप्त कराया। इस दौरान मंदिर के पुजारी विश्राम दास महाराज ने जिला प्रशासन को शिकायती पत्र देकर अवगत कराया कि ग्राम चान्दपुर के पास स्थित सुम्मेरगड़ पहाड़ी पर बड़े पैमाने पर अवैध खनन का कार्य किया जा रहा है और पास में ही स्थित मंदिर करीब 400 साल पुरानी मंदिर को नेस्तो नाबूत करने के मकसद से अवैध खनन माफिया मंदिर पर अवैध रूप से कब्जा करने के लिए उन्हें पिछली कई महीनो से परेशान कर रहे हैं। इस मामले की शिकायत वह कई बार जिला प्रशासन से कर चुके हैं और मंदिर तोड़े जाने को लेकर वह न्यायालय से स्थगन आदेश भी लेकर आए हैं। इस मामले में माननीय उच्च न्यायालय द्वारा जिला प्रशासन को एक सप्ताह में मामले के निस्तारण के लिए निर्देशित भी किया गया था।

डीएम ने सीएम डैश बोर्ड में जनपद रैंकिंग में पिछड़ने पर विभागीय अधिकारियों को लगाई फटकार

बीडीओ फैमली आईडी शत प्रतिशत बनवाना सुनिश्चित करें: डीएम

झांसी। कलेक्ट्रेट नवीन सभागार में जिलाधिकारी मृदुल चौधरी की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री डैशबोर्ड से संबंधित अधिकारियो के साथ बैठक आयोजित हुई। उन्होंने प्रदेश में जनपद की रैंकिंग पिछड़ने पर अधिकारियों को फटकार लगाते हुए संवेदनशील होकर कार्य करने की नसीहत दी और सी रैंक प्राप्त करने वाले विभागीय अधिकारियों को शासन द्वारा निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष अपेक्षाकृत रूचि लेकर कार्य करने का सुझाव दिया ताकि रैंकिंग में और सुधार लाया जा सके। जिलाधिकारी मृदुल चौधरी ने फैमली आईडी सहित पंचायती राज विभाग,लोक निर्माण विभाग को टारगेट करते हुये कहा कि कम अंक प्राप्त होने से जिले की रैंकिंग में गिरावट हुई है,यदि बेहतर अंक प्राप्त होते तो जनपद प्रदेश में अच्छा स्थान प्राप्त कर सकता था फैमली आईडी की समीक्षा में उन्होंने उपस्थित समस्त बीडीओ को निर्देशित किया शत प्रतिशत फैमली आईडी बनाया जाना सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी मृदुल चौधरी ने मु ख्यमंत्री डैशबोर्ड के अंतर्गत विकास कार्यों एवं राजस्व कार्यों से संबंधित प्रपत्रों की समीक्षा करते हुए कहा कि अधिकारी अब अपनी विभागीय योजनाओं की लगातार समीक्षा करें ताकि सभी पैरामीटर में अच्छे अंक प्राप्त करते हुए रैंकिंग सुधारी जा सके। उन्होंने नोडल विभाग पर्यटन की प्रगतिशील योजना, स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण फेस-2 एंव जिला सहकारी बैंक अल्पकालीन ऋण वितरण एवं वसूली में संतोषजनक प्रगति न होने पर नाराजगी व्यक्त की, उन्होंने कार्यदायी संस्था सहित विभागीय अधिकारी को निर्देशित किया कि भौतिक प्रगति के सापेक्ष प्रगति को बढाते हुए सभी कार्य पूरे किए जाएँ। नवीन सभागार में सीएम डैशबोर्ड पर जनपद के विभिन्न विभागों की योजना अंतर्गत प्रगति की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने ऐसे विभागों को टारगेट किया जिनकी जनपद में रैंकिंग सी, डी एंव ई श्रेणी में हैं। बैठक में इस अवसर पर मुख्य विकास सरकारी जुनैद अहमद, जॉइंट मजिस्ट्रिक्ट अक्षय दीपक, सीएमओ डॉ सुधाकर पाण्डेय,अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व वरुण कुमार पांडेय, अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे योगेश कुमार,एसडीएम सदर गोपेश तिवारी, डीडीओ सुनील कुमार,अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग दीपांकर चौधरी, डीएसटीओ सुजान सिंह लोधी सहित समस्त जिला स्तरीय अधिकारी व विभिन्न कार्यदाई संस्थाओं के प्रोजेक्ट मैनेजर मौजूद रहे।

एमएलसी ने सभी ग्राम प्रधानों को गौशाला का नियमित रूप से संचालन के लिए निर्देश दिए

झांसी। एमएलसी विधान परिषद श्रीमती रमा निरजन की अध्यक्षता में जनपद के ग्राम प्रधानों को उनकी विधान परिषद क्षेत्र की समस्याओं के सम्बन्ध में बैठक विकास भवन सभागार में आयोजित हुई। बैठक में ग्राम प्रधानों की जिला स्तर पर निम्न समस्यों का निराकरण कराये जाने हेतु विचार विमर्श किया। ग्राम प्रधानों के खिलाफ विरोधियों द्वारा झूठी शिकायत की जाती है जिससे ग्राम प्रधानों पर मानसिक दबाव बनता है यदि शिकायत झूठी पाई जाए तो शिकायतकर्ता के खिलाफ कार्यवाही होनी चाहिए। ग्राम पंचायतों में जल जीवन मिशन के तहत खोदी गई सड़के शीघ्र सुधारी जाये। ग्राम प्रधानों द्वारा ग्राम पंचायत में अवैध कब्जों की शिकायतें की जाती है, जिस पर तुरन्त कार्यवाही होनी चाहिए। थाना, तहसीलों में एवं अन्य दफ्तरों में ग्राम प्रधानों को भी जनप्रतिनिधियों जैसा सम्मान मिलना चाहिए ग्राम प्रधानों को टोल टैक्स फ्री किया जाये। ग्राम पंचायत क्षेत्र के स्कूलों, नलकूपों आदि के विद्युत बिल तथा कार्यरत कर्मचारियों का मानदेय का बजट पृथक मद से दिया जाये। ग्राम पंचायतों के विकास के लिये आयी धनराशि से भुगतान न कराया जाये। मनरेगा आदि में ग्राम पंचायतों को जो 5 लाख तक के कार्य स्वीकृत करने का अधिकार है, कृपया उसे बड़ाकर 20 लाख किया जाये। मनरेगा में 60 प्रतिशत कच्चे कार्य पर व 40 प्रतिशत धनराशि पक्के कार्य पर व्यय करने का प्राविधान है. उसे बदल कर 70 प्रतिशत या 80 प्रतिशत पक्के कार्य पर, 30 प्रतिशत या 20 प्रतिशत कच्चे कार्य का प्राविधान कर दिया जाये। उपरोक्त समस्याओं के निराकरण कराये जाने हेतु श्रीमती रमा निरंजन, एमएलसी विधान परिषद के द्वारा जिलाधिकारी को पत्र प्रेषित किया गया। बैठक में पुलिस अधीक्षक ग्रामीण प्रधान संगठन के पदाधिकारी प्रदीप यादव, प्रबल प्रताप राजपूत, वीरेन्द्र कुमार, अनुज द्विवेदी एवं विकास खण्डों से ग्राम प्रधान भी उपस्थित रहे।

बच्चों को खेल कूद प्रतियोगता के पुरस्कार वितरण किए

झांसी। सनशाइन क्लब के अध्यक्ष रामकुमार कुमार अग्रवाल की अध्यक्षता में एक होटल में पारिवारिक सभा आयोजित की गयी। पारिवारिक सभा में कपल्स गेम्स, बच्चों के गेम्स एवं हाऊजी कराई गयी। कपल्स गेम्स में रश्मि अरविंद लोहिया,ने प्रथम, संजय दीपा यादव ने द्वितीय एवं डाक्टर एलसी आशा अग्रवाल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। सफल प्रतिभागियों को पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया बच्चों के गेम्स में नियती ने प्रथम, प्रियांश ने द्वितीय एवं सक्षम ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। सफलता प्राप्त करने वाले बच्चों को पुरस्कृत कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। सरिता अग्रवाल ने सफलतापूर्वक हाऊजी कराई गई। पारिवारिक सभा के संयोजक विलास सुरक्षा गुप्ता के द्वारा सभा का शानदार संयोजन किया गया। पारिवारिक सभा में इन्द्रा अग्रवाल अनुराथा गुप्ता, सन्देश अग्रवाल, सीमा गुप्ता, अशोक अग्रवाल, भारती गुप्ता, सीए रोहित इत्यादि सम्मिलित हुए। अंत में सचिव वीरेंद्र गुप्ता द्वारा सभी का आभार व्यक्त किया गया।

अहमदाबाद विमान हादसे में मारे गये लोगा को दी श्रद्धांजलि

झांसी। सदर बाड़ार स्थित संगम ग्रुप के कार्यालय पर सपा यूथ ब्रिगेड के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सलमान पारीछा की अध्यक्षता में एक शोक सभा हुई। जिसमें अहमदाबाद विमान में हुये हादसे में मारे गये लोगों के प्रति गहरा शोक व्यक्त करते हुए श्रद्धांजलि दी गई। शोक सभा में पूर्व मंत्री अजय सूद, शंकर यादव ,जैनुल आबदीन, मोहम्मद तारिक,नरेंद्र यादव, अब्दुल्ला फरीद, नौमान, किरन ठाकुर, तमन्ना रायकवार, शिफा ख़ान,दानिश फरीद आदि उपस्थित रहें।

विमान दुर्घटना मैं लोगों की मौत पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने जताया शोक

झांसी। अहमदाबाद में एक भयावह विमान दुर्घटना ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया। एयर इंडिया की फ्लाइट ।171, जो लंदन जा रही थी, टेकऑफ के कुछ ही मिनटों बाद रिहायशी इलाके में दुर्घटनाग्रस्त हो गई। विमान में कुल 242 लोग सवार थे, जिसमें 230 यात्री और 12 क्रू मेंबर शामिल थे। इसमें 241 लोगों की इस हादसे में मौत हो गई है आज इसी को लेकर मऊरानीपुर मैं भाजपा के कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों द्वारा शोक संवेदना व्यक्त की गई एवं दो मिनिट का मौन धारण किया गया जिलाध्यक्ष प्रदीप पटेल ने इस मौके पर कहा कि यह हादसा बहुत ही झकझोर देने वाला है इतनी सारी जिंदगियां एक ही पल मैं चली गई उनके परिवार को इस कठिनाई के समय मैं निकलने मैं सहायता प्रदान करें इस मौके पर डॉ रमेश श्रीवास ,चंचल कंथरिया ,प्रमोद चतुर्वेदी , मुकेश पटेल ,रोहित सोनी ,संदीप तिवारी ,भारत सिंह ,अभिषेक श्रीवास ,संदीप पटेल ,मधुर चतुर्वेदी, बृज किशोर पटेल , जयप्रकाश पाल , अभिषेक श्रीवास ,हरिओम मुखिया रविकांत आर्य आदि उपस्थित रहे।

बीकेडी में समर्थ पोर्टल पर पंजीकरण हेतु हेल्प डेस्क स्थापित

झांसी। बुन्देलखण्ड महाविद्यालय में बीए,बीकॉम प्रथम वर्ष एवं एमए,एमकॉम प्रथम वर्ष में प्रवेश हेतु इच्छुक समस्त अभ्यर्थियों को सूचित किया जाता है कि शासन एवं विश्वविद्यालय के निर्देशानुसार समर्थ पोर्टल पर पंजीकरण के माध्यम से प्रवेश दिया जाना है। छात्र-छात्राओं की सुविधा हेतु महाविद्यालय में प्रवेश हेतु समर्थ पोर्टल पर पंजीकरण के लिए हेल्प डेस्क की स्थापना कर दी गयी है। प्रवेश हेतु इच्छुक छात्र-छात्राएं हेल्प डेस्क काउण्टर पर प्रातः 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक सम्पर्क कर अपना पंजीकरण कराए। पंजीकरण के उपरान्त ही विभिन्न कक्षाओं में प्रवेश नियमानुसार दिया जायेगा।

अघोषित बिजली कटौती के विरोध में धरना , प्रदर्शन कर निकाला पैदल मार्च

झांसी। नगर में पटरी से उतरी बिजली व्यवस्था एवं अघोषित विद्युत कटौती के विरोध में उत्तर प्रदेश व्यापार मंडल एवं सीपरी व्यापार महासमिति के तत्वाधान में गुरु नानक चौक पर उत्तर प्रदेश व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष संजय पटवारी एवं महानगर अध्यक्ष पंकज शुक्ला के नेतृत्व में सैकड़ो व्यापारियों ने गुरु नानक चौक पर इकट्ठा होकर हाथों में पंखे, खाली बेलन, फुके हुए बल्ब एवं ट्यूबलाईटों के साथ धरना, प्रदर्शन कर बिजली विभाग के खिलाफ नारेबाजी की। इस अवसर पर सीपरी बाजार व्यापार महासमिति के अध्यक्ष अजय चड्ढा एवं कैट के प्रदेश महामंत्री कुलदीप सिंह दांगी ने कहा कि बिजली विभाग के अधिकारी

सरकार को गुमराह करते हुए अपनी रिपोर्ट में झांसी में सर्वाधिक बिजली देने की बात करते हैं जबकि हकीकत में नगर में 12 से 15 घंटे ही बिजली मिल पा रही है ऐसी स्थिति में व्यापारियों ने मांग की की पुन: अधिकारियों को बर्खास्त किया जाए एवं एवं कानूनी कार्रवाई की जाए अधिकारी फोन नहीं उठाते हैं आम जनता के प्रति उनकी कोई जवाब दे ही भी नहीं है, सैकड़ो व्यापारियों ने आक्रोशित होकर चौराहे पर धरना प्रदर्शन कर अपना आक्रोश व्यक्त किया। धरना प्रदर्शन उपरांत सभी व्यापारियों ने पैदल मार्च निकाला सुभाष मार्केट, आजादगंज मार्केट अत्रि चौराहा, रामा बुक डिपो चौराहा, टंडन रोड होती हुई गुरु नानक चौक पर समाप्त हुई । इस अवसर पर प्रभु दयाल साहू, प्रिंस भुसारी, सोनू उपाध्यक्ष, विवेक बाजपेई, अजीत सेठी, मुकेश अग्रवाल, अज्जू महरौलिया, अनिल बघेले, रोहित सक्सेना, अकील खान, पुनीत लक्षकार, नीरज अग्रवाल, अवनीश खरे, लीना मनसा रवानी, राधेश्याम लक्षकार, श्याम भारद्वाज, आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

मासिक साहित्य सरस काव्य संगोष्टी सम्पन्न

झांसी। स्व. डॉ0 धन्नूलाल गौतम एवं वायुयान दुर्घटना के मृतकों को श्रद्धांजलि समर्पित की गई।

शास्त्री विश्व भारती संस्कृति एवं साहित्य शोध संस्थान, शास्त्री भवन सीपरी बाजार के तत्वावधान में विगत 1965 से सतत्त रूप से संचालित मासिक काव्य संगोष्ठी संपन्न हुई। साहित्यिक संगोष्ठी स्व डॉ0 धन्नूलाल गौतम पूर्व चेयरमैन नगर पालिका एवं अहमदाबाद से उड़ान भरने वाले वायुयान के आकस्मिक दुर्घटनाग्रस्त हो जाने तथा 242 यात्रियों के मृत होने पर उनके प्रति संवेदनशीलता, रखते हुए शोक श्रद्धांजलि स्वरुप, समर्पित रही। गोष्ठी की अध्यक्षता डॉ0 प्रमोद अग्रवाल साहित्य भूषण से निवृत आई.ए.एस. द्वारा की गई। मुख्य अतिथि डॉ0 बी.बी. त्रिपाठी, विशिष्ट अतिथि डॉ0 ए.के. हिंग्वासिया, सुश्री नीलमधु श्रीवास्तव, श्रीमती संध्या निगम, नेहाल चंद्र शिवहरे, श्रीमती मीरा अग्रवाल, डॉ0 प्रताप नारायण दुबे, श्रीमती नीलम गुप्ता, डॉ0 सुखराम चतुर्वेदी फौजी रहे। गोष्ठी का शुभारम्भ श्रीमती बृजलाता मिश्रा द्वारा रचित वाणी वंदना की प्रस्तुति से हुआ। संगोष्ठी संचालन डॉ0 सुखराम चतुर्वेदी फौजी ने किया। स्वागत एवं आभार डॉ0 सुश्री नीती शास्त्री ने व्यक्त किया इस अवसर पर सुभाष चंद्र, नीरज सिंह, दीपक साहू, शिवा , विभा पांडे, आदि अनेक श्रोतागण उपस्थित रहे।

115 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हुआ स्पीड ट्रायल

दोहरीकृत लाइन का दो दिवसीय निरीक्षण संपन्न

झांसी। रेल संरक्षा आयुक्त पूर्वोत्तर क्षेत्र प्रणजीव सक्सेना ने मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण) विपिन कुमार तथा मंडल रेल प्रबंधक दीपक कुमार सिन्हा की उपस्थिति में झाँसी मंडल के झाँसीङ्कमानिकपुर रेलखंड पर दोहरीकरण कार्य के अंतर्गत बरुआसागर-टेहरका के मध्य नव विद्युतीकृत तथा दोहोरी कृत लाइन का नवनिर्मित रेल ट्रैक पर स्थित मेजर ब्रिज संख्या 1157/1 से बरुआसागर स्टेशन के समीप बने कट एंड कनेक्शन प्वाइंट तक का वैधानिक निरीक्षण किया।

रेल संरक्षा आयुक्त प्रणजीव सक्सेना ने मंडल एवं निर्माण संगठन के अधिकारियों के साथ मोटर ट्राली के माध्यम से उक्त खंड के मध्य नव निर्मित ब्रॉड गेज लाइन का सघन निरीक्षण किया। इसके साथ ही ब्रिज तथा कट एंड कनेक्शन प्वाइंट की भी जांच किया। निरीक्षण के दौरान उक्त रेल खंड के अंतर्गत आने वाले ट्रैक्शन, सिग्नल, ट्रैक, ट्रैक-पॉइंट्स आदि सभी इंस्टालेशन तथा उनकी कार्य क्षमता का गहनता से निरीक्षण किया गया, साथ ही साथ मार्ग में आने वाले मेजर /माइनर ब्रिज का सघन निरीक्षण किया। निरीक्षण के उपरांत ट्रैक पर 115 किलोमीटर प्रति घंटे का स्पीड ट्रायल किया गया। रेल संरक्षा आयुक्त की अनुशंसा उपरांत इस दोहरीकृत रेल ट्रैक पर ट्रेनों का परिचालन आरंभ किया जाएगा। खंड के दोहरीकरण से रेलवे परिचालन को अधिक सुरक्षित, कुशल एवं आधुनिक बनाना है, जिससे यात्री एवं माल गाड़ियों की निर्बाध और उच्च-गति यात्रा सुनिश्चित की जा सके। झांसी मंडल के इस महत्वपूर्ण रेलवे खंड का विद्युतीकरण और दोहरीकरण, रेलवे के विकास की दिशा में एक और उल्लेखनीय उपलब्धि है, जो आने वाले वर्षों में रेल परिवहन को और भी प्रभावी एवं गतिशील बनाएगा।

निरीक्षण के दौरान मुख्य परियोजना प्रबंधक /निर्माण एस के गुप्ता, वरिष्ठ मंडल अभियंता (समन्वय) आशुतोष चौरसिया, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक अमन वर्मा, वरिष्ठ मंडल बिजली इंजीनियर (कर्षण) सर्भजीत सिंह, वरिष्ठ मंडल इंजीनियर (पूर्व) आयुष श्रीवास्तव, वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक जे संजय कुमार, वरिष्ठ मंडल संरक्षा अधिकारी गिरीश कंचन, वरिष्ठ मंडल सिग्नल एवं टेलीकॉम इंजीनियर (समन्वय) नरेंद्र सिंह सहित रेल विकास निगम लिमिटेड के अधिकारी और अन्य अधिकारी पर्यवेक्षक व् कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

स्वामी निष्ठावान एडवरटाइजर्स एण्ड मीडिया प्रा.लि.,मुद्रक, प्रकाशक, श्रीमती रीता सिंह द्वारा प्रदेश वॉच मीडिया ग्रुप, 11, प्रेस कॉम्प्लेक्स, एम.पी. नगर, भोपाल-462023, म.प्र. से मुद्रित एवं कैमासनपुरम, करगुंजी, मेडिकल कॉलज के पास, कानपुर रोड, झाँसी से प्रकाशित।
संपादकः बालेन्द्र गुप्ता पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन हेतु जिम्मेदार (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र झांसी रहेगा।) फोनः 9936277530, 9450071944, ई-मेलः balendragupta271@gmail.com आर.एन.आई.नं. UPHIN 2012/47946